INS ACCREDITED
यूनिकॉम एडवरटाइजिंग
unicomadvertising.com

प्रेरणास्रोत पूज्यनीय राजनलाल गौतम जी

यूनिक समय

डीएवीपी द्वारा मान्यता प्राप्त
डाक पंजीकृत संख्या मथुरा 071/2026—28

Sweety BY MR GROUP Presents
Unique Samay Update
uniquesamay.com

वर्ष-4 | अंक-182 | सांध्य दैनिक | मथुरा, गुरुवार, 27 अगस्त 2026 | पेज-12 | 5 रुपया | www.facebook.com/uniquesamay | X.com/Theuniquesamay | www.linkedin.com/in/uniquesamay

तबादले के बाद भी लोनिवि में 11 बाबू पुराने पदों पर काबिज

यूनिक समय, मथुरा। लोक निर्माण विभाग प्रांतीय खंड़ के 11 कर्मचारी पदोन्नति और तबादले के बाद भी उन्हीं पदों पर विराजमान हैं। अधिशासी अभियंता की कृपा से तबादले के एक साल बाद भी उसी कार्यालय और उन्हीं पदों पर विराजे हुए हैं। मुख्य अभियंता इस प्रकरण में बेवस दिखते हैं। ऐसे में इस मामले को लेकर उन्होंने शासन को पत्र भी भेजा है। विभाग में अधिशासी अभियंता और मुख्य अभियंता के बीच कर्मचारियों से जुड़े इस प्रकरण को लेकर चली आ रही खींचतान चर्चा का विषय बनी हुई है।

लोनिवि के मुख्य अभियंता नरेंद्र कुमार यादव ने प्रांतीय खंड में तैनात 11 लिपिकों को पदोन्नति दी थी। इसी के साथ पदोन्नति पाने

पदोन्नति मिलने के साथ किए गए थे गैर जिलों में तबादले

अधिशासी अभियंता बने ढाल, मुख्य अभियंता ने शासन को भेजा पत्र

वाले इन लिपिकों के तबादले निर्माण खंड के अलावा मैनपुरी, इटावा, अलीगढ़ और कन्नौज आदि जिलों के लिए किए गए। ऐसे लिपिकों में प्रांतीय खंड के प्रधान सहायक गोपाल प्रसाद, प्रशासनिक अधिकारी हाकिम सिंह, हुकुम सिंह,

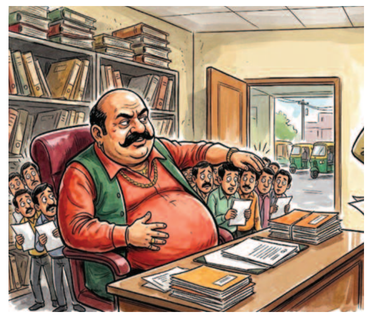

आरती, नवीन, अमित अग्रवाल और रमेश, मानिक, दुर्गेश के अलावा ओमवीर, अशोक शामिल हैं। अब इन तबादलों को हुए एक साल का समय बीत चुका है, लेकिन तबादले पर भेजे जाने वाले सभी लिपिक प्रांतीय खंड में ही पुरानी सीटों पर जमे हुए हैं। विभाग के जानकारों का दावा है कि तबादले के बाद भी पदों पर जमे लिपिकों पर अधिशासी अभियंता गुलवीर सिंह की खास कृपा है। यही अधिकारी इन लिपिकों को तबादले वाले स्थान के लिए रिलीव नहीं कर रहा है। यह सभी लिपिक अधिशासी अभियंता के खास बताए जा रहे हैं। इस बारे में जानकारी के लिए अधिशासी अभियंता गुलवीर सिंह का मोबाइल फोन कई बार मिलाया, लेकिन उन्होंने रिसीव नहीं किया। व्हाट्सएप पर भेजे गए संदेश को पढ़ने के बाद भी अधिशासी अभियंता ने उत्तर नहीं दिया।

मेरा काम नहीं, अधिशासी अभियंता का काम

तबादलों के बाद पुरानी सीट और पुराने विभाग में जमे लिपिकों के बारे में जब मुख्य अभियंता नरेंद्र कुमार यादव से बात की गई तो उन्होंने बताया कि तबादले करना मेरा काम था, रिलीव तो अधिशासी अभियंता को ही करना है। अधिशासी अभियंता ने पत्र भेजकर इन लिपिकों को रिलीव नहीं करने की कोई जरुरत भी नहीं बताई है। अधिशासी अभियंता के इस पत्र को लेकर उन्होंने शासन को भी पत्र लिखा है। अब इस मामले में कार्रवाई अधिशासी अभियंता को ही करनी है। शासन को वह इस मामले से अवगत करा चुके हैं।

रिश्तेदारों के नाम पर नहीं मिलेगा थोक औषधि लाइसेंस

यूनिक समय, मथुरा। नकली, अधोमानक, मिलावटी और प्रतिबंधित दवाओं के अवैध कारोबार पर अंकुश लगाने के लिए शासन ने थोक औषधि लाइसेंस जारी करने की प्रक्रिया और सख्त कर दी है। अब अवैध दवा कारोबार में संलिप्त पाए गए कारोबारियों के रिश्तेदारों, सहयोगियों या उनसे जुड़े व्यक्तियों के नाम पर आसानी से थोक औषधि लाइसेंस जारी नहीं किया जाएगा। लाइसेंस जारी करने से पहले आवेदक के साथ उसके कारोबारी संबंधों और पृष्ठभूमि की भी गहन जांच की जाएगी।

खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन आयुक्त ने नकली, अधोमानक, मिलावटी और मादक पदार्थ संबंधी श्रेणी की औषधियों के अवैध कारोबार पर प्रभावी नियंत्रण के निर्देश दिए हैं। शासन के निर्देशों के बाद औषधि विभाग को लाइसेंस प्रक्रिया में अतिरिक्त सतर्कता बरतने को कहा गया है। दरअसल, कई मामलों में कार्रवाई की जद में आए कारोबारी अपने रिश्तेदारों, सहयोगियों अथवा परिचितों के नाम पर नया औषधि लाइसेंस लेकर कारोबार शुरू कर देते हैं। इस तरह कार्रवाई के बावजूद कारोबार का संचालन जारी

रहता है। अब ऐसे मामलों पर रोक लगाने के लिए आवेदक की व्यक्तिगत जानकारी के साथ उसके कारोबारी संपर्कों की भी पड़ताल की जाएगी।

नए नियमों के तहत थोक औषधि लाइसेंस के लिए आवेदन करने वाले व्यक्ति के कारोबारी साझेदारों और सहयोगियों की पृष्ठभूमि भी जांची जाएगी। लाइसेंस जारी करने से पहले यह सुनिश्चित किया जाएगा कि संबंधित कारोबार के दस्तावेज, खरीद–बिक्री के बिल, वस्तु एवं सेवा कर पंजीकरण, बैंक खाता और ई–वे बिल आदि लाइसेंस धारक के नाम पर ही हों। किसी अन्य व्यक्ति के नाम पर इनका संचालन मिलने पर विभाग अतिरिक्त जांच कर सकता है।

कोडीन सिरप समेत नकली प्रतिबंधित दवाओं पर बढ़ेगी सख्ती

अवैध कारोबारियों से जुड़े लोगों की भी होगी पृष्ठभूमि की जांच

औषधि निरीक्षक प्रेम पाठक ने बताया कि शासन ने पहले प्रतिबंधित किए जा चुके कारोबारियों के साथ उनके कारोबारी साझेदारों और सहयोगियों को भी दोबारा लाइसेंस प्रक्रिया में शामिल होने से रोकने के निर्देश दिए हैं। इससे दूसरे व्यक्तियों के नाम पर लाइसेंस लेकर अवैध कारोबार चलाने की प्रवृत्ति पर अंकुश लगाने में मदद मिलेगी। कोडीन सिरप समेत अन्य दवाओं के अवैध कारोबार के मामलों में पहले भी कार्रवाई हो चुकी है। नए निर्देशों के बाद जिले में औषधि लाइसेंस जारी करने और दवा कारोबार की निगरानी और सख्त होने की उम्मीद है। विभाग का उद्देश्य नकली और प्रतिबंधित दवाओं की बिक्री पर प्रभावी रोक लगाना है।

700 किलो पनीर सीज तीन नमूने जांच को भेजे

पनीर की जांच करते खाद्य विभाग के अधिकारी।

दिल्ली ले जाया जा रहा था पनीर, खाद्य विभाग की टीम ने बाजना में की कार्रवाई

यूनिक समय, मथुरा। रक्षाबंधन और जन्माष्टमी को देखते हुए खाद्य विभाग की टीम ने मिलावटी खाद्य पदार्थों के खिलाफ कार्रवाई की। सहायक आयुक्त खाद्य डॉ. जतिन कुमार सिंह के निर्देशन में खाद्य सचल दल ने बाजना पुलिस चौकी पर वाहनों की जांच की। इस दौरान दिल्ली ले जाए जा रहे पनीर के तीन नमूने जांच के लिए लिए गए, जबकि करीब 700 किलोग्राम पनीर सीज किया।

सहायक आयुक्त खाद्य जतिन कुमार सिंह के नेतृत्व में खाद्य सुरक्षा अधिकारियों ने बाजना पुलिस चौकी पर बोलेरो पिकअप संख्या डीएल 1 एलएवी 5898 की जांच की। इसमें राधे डेयरी, बाजना द्वारा निर्मित पनीर दिल्ली ले जाया जा रहा था। पनीर की गुणवत्ता पर संदेह होने पर उसके दो नमूने लिए गए और शेष करीब 700 किलोग्राम पनीर सीज कर दिया गया। वहीं संख्या यूपी 85 एटी 6556 की जांच में मधु डेयरी, बाजना द्वारा निर्मित पनीर दिल्ली ले जाते हुए पाया गया। इसमें से पनीर का एक नमूना लिया गया।

तीनों नमूने जांच के लिए राजकीय खाद्य प्रयोगशाला भेजे गए हैं। जांच रिपोर्ट मिलने के बाद संबंधित लोगों के खिलाफ नियमानुसार आगे की कार्रवाई की जाएगी। कार्रवाई करने वाली टीम में खाद्य सुरक्षा अधिकारी जितेंद्र सिंह और धर्मेंद्र सिंह शामिल रहे।

बाजारों में बढ़ी खरीदारी की रौनक

रक्षाबंधन से पहले बाजारों में उमड़ी खरीदारों की भीड़

गुरुवार को रक्षाबंधन की खरीदारी से भीड़ से भरा कृष्णानगर का बाजार।

यूनिक समय, मथुरा। भाई–बहन के स्नेह और विश्वास का पर्व रक्षाबंधन शुक्रवार को मनाया जाएगा। पर्व से एक दिन पहले गुरुवार को शहर के बाजारों में खरीदारी के लिए लोगों की भारी भीड़ उमड़ी। दोपहर से ही प्रमुख बाजारों में चहल–पहल दिखाई देने लगी थी। दोपहर बाद बाजारों में खरीदारों की संख्या और बढ़ गई। राखी, कपड़े, मिठाई और श्रृंगार सामग्री की दुकानों पर ग्राहक खरीदारी करते नजर आए। आसपास के कस्बों से भी बड़ी संख्या में लोग खरीदारी के लिए शहर आए। रक्षाबंधन पर बहनों की ओर से भाइयों की कलाई पर बांधी जाने वाली राखियों की दुकानों पर सबसे अधिक भीड़ दिखाई दी। दुकानों पर रंग–बिरंगी और आकर्षक राखियों की विभिन्न किस्में सजी रहीं। बच्चों से लेकर महिलाओं तक अपनी पसंद की राखियां खरीदते नजर आए। वहीं, बहनों के लिए उपहार और कपड़ों की खरीदारी भी लोगों ने की। श्रृंगार सामग्री की दुकानों पर भी महिलाओं की अच्छी खासी भीड़ रही। मिठाई की दुकानों पर भी ग्राहकों की आवाजाही बनी रही। रक्षाबंधन पर घेवर की मांग को देखते हुए लोग दुकानों पर इसे तलाशते नजर आए। हालांकि कई दुकानों पर घेवर उपलब्ध नहीं होने से ग्राहकों को दूसरी मिठाइयों का विकल्प चुनना पड़ा। कुछ दुकानदारों ने मांग को देखते हुए पहले से ही मिठाइयों का अतिरिक्त इंतजाम कर रखा था। शाम होते–होते बाजारों में पैर रखने तक की जगह मुश्किल से मिल रही थी।

राखी, मिठाई, कपड़े और श्रृंगार सामग्री की बढ़ी बिक्री

शाम के समय रेलवे स्टेशन और बस अड्डों पर यात्रियों की भीड़ दिखाई दी। बड़ी संख्या में लोग अपने घरों और रिश्तेदारों के यहां रक्षाबंधन मनाने के लिए रवाना हुए। वहीं, बाजारों में बढ़ी भीड़ को देखते हुए दुकानदारों में भी उत्साह रहा। देर शाम तक बाजारों में खरीदारी का सिलसिला जारी रहा।

60 साल से ज्यादा उम्र की महिलाओं को रोडवेज में मुफ्त सफर

यूनिक समय, मथुरा। रक्षाबंधन से पहले यूपी सरकार ने महिलाओं को बड़ा तोहफा दिया है। 60 साल से अधिक उम्र की महिलाओं को रोडवेज बसों में मुफ्त यात्रा देने के प्रस्ताव को मंजूरी मिल गई है। वहीं, रक्षाबंधन पर 27 अगस्त की सुबह छह बजे से 29 अगस्त की रात 12 बजे तक सभी महिलाओं को रोडवेज बसों में मुफ्त यात्रा की सुविधा मिलना शुरु हो गया है।

निशुल्क बस यात्रा का लाभ 60 साल से अधिक उम्र की महिलाएं ले सकेंगी। बस में सफर के दौरान उन्हें उम्र की पहचान के लिए आधार कार्ड या वोटर आईडी दिखाना होगा। सरकार के इस फैसले से बुजुर्ग महिलाओं को आने–जाने के किराये की चिंता नहीं करनी पड़ेगी। वे रोडवेज की बसों में आसानी से सफर कर सकेंगी। वहीं रक्षाबंधन पर महिलाओं को 27 अगस्त सुबह छह बजे से 29 अगस्त रात 12 बजे तक रोडवेज बसों में मुफ्त यात्रा का आनंद लेना शुरु कर दिया है। यह सुविधा सामान्य बसों के साथ एसी बसों में भी दी जा रही है। इससे महिलाओं को अपने मायके जाने में काफी राहत साबित होगी। बुलंदशहर की रचना देवी ने कहा कि मुख्यमंत्री ने रक्षाबंधन पर महिलाओं के लिए तीन दिन मुफ्त यात्रा की सुविधा देकर अच्छा काम किया है। उन्होंने कहा कि महंगाई के कारण त्योहार पर मायके जाना मुश्किल हो जाता है। घेवर और दूसरे सामान के साथ बस का किराया भी देना पड़ता है। ऐसे में मुफ्त यात्रा से काफी राहत मिली है। जो महिलाएं पैसे की वजह से भाई को राखी बांधने नहीं जा पाती थीं, वे अब मायके जाने की तैयारी कर रही हैं। सरिता देवी ने कहा कि वह कई दिनों से मायके जाने की सोच रही थीं, लेकिन बच्चों के साथ जाने पर किराया ज्यादा लग रहा था। मुफ्त यात्रा की घोषणा होते ही उन्होंने जाने का कार्यक्रम बना लिया। उन्होंने कहा कि 60 साल से अधिक उम्र की महिलाओं को अब जीवनभर मुफ्त रोडवेज यात्रा मिलेगी। यह सरकार का बहुत अच्छा फैसला है। वहीं, सरकार के ऐसे आदेश के बाद महिलाएं बसों से निशुल्क यात्रा का आनंद लेने को बस अड्डों पर आती रही।

रचना देवी

सरिता देवी

वोटर आईडी और आधार से कर सकेंगी बसों में सफर

तीन दिन करेंगी निशुल्क बस यात्रा,खिले चेहरे

रक्षाबंधन पर बहनों के लिए बसों की नहीं होगी कमी

यूनिक समय, मथुरा। रक्षाबंधन पर बहनों को बसों के लिए परेशान नहीं होना पड़ेगा। परिवहन विभाग ने यात्रियों की संख्या के अनुसार बसों के संचालन की तैयारी की है। जिस रूट पर अधिक यात्री होंगे, वहां जरूरत के अनुसार अतिरिक्त बसें चलाई जाएंगी।

एआरएम कमल किशोर आर्य ने बताया कि रक्षाबंधन को लेकर विभाग ने पूरी तैयारी कर ली है। पुराने बस अड्डे से करीब 100 बसें संचालित की जाएंगी। यात्रियों की संख्या बढ़ने पर बसों की संख्या और बढ़ाई जाएगी। उन्होंने बताया कि सामान्य दिनों में जो बसें एक फेरा लगाती हैं, रक्षाबंधन पर उनसे दो से तीन फेरे कराए जाएंगे। उन्होंने बताया कि इस तरह ही नए बस अड्डे पर अतिरिक्त फेरा लगाएगी। यात्रियों की सुविधा को देखते हुए चालक और परिचालकों की अतिरिक्त ड्यूटी भी लगाई जाएगी। जरूरत पड़ने पर अतिरिक्त स्टाफ को भी ड्यूटी पर लगाया जाएगा।

ठाकुरजी की पोशाक खरीदने पहुंचीं महिलाएं

बाजार में ठाकुरजी के लिए पोशाक खरीदतीं महिलाएं।

यूनिक समय, वृंदावन। रक्षाबंधन से एक दिन पहले बाजारों में रौनक दिखी। महिलाएं अपने घरों में विराजमान ठाकुरजी के लिए आकर्षक पोशाक खरीदती नजर आ रही हैं। बाजार में छोटी–छोटी दुकानों पर भगवान के लिए विभिन्न रंगों और डिजाइनों की पोशाकें सजी हुई हैं।

रक्षाबंधन पर ठाकुरजी को सजाने के लिए महिलाएं अपनी पसंद के अनुसार छोटी पोशाकों का चयन कर रही हैं। दुकानदारों ने भी पर्व को देखते हुए अलग–अलग तरह की पोशाकें बाजार में उपलब्ध कराई हैं। रंग–बिरंगी पोशाकों के साथ आकर्षक डिजाइन श्रद्धालुओं को अपनी ओर आकर्षित कर रहे हैं। बाजार में खरीदारी करने पहुंचीं महिलाओं का कहना था कि जन्माष्टमी उनके लिए खास पर्व है, रक्षाबंधन भी विशेष है। इस दिन ठाकुरजी को नई पोशाक पहनाकर विशेष श्रृंगार किया जाता है। यही वजह है कि पर्व से पहले ही पोशाक और श्रृंगार सामग्री की खरीदारी शुरू हो गई है। दुकानदारों को उम्मीद है कि कल और जन्माष्टमी से पहले ठाकुरजी की पोशाक और श्रृंगार सामग्री की खरीदारी में और तेजी आएगी। बाजार में महिलाओं की खरीदारी से दुकानदारों के चेहरे पर भी उत्साह दिखाई दे रहा है।

कृष्णा नगर की 29 अगस्त को बिजली आपूर्ति रहेगी बाधित

यूनिक समय, मथुरा। विद्युत उपकेंद्र कृष्णा नगर में 33/11 में मशीनों की ओवर होलिंग,टेस्टिंग और अन्य मेंटीनेंस कार्य 29 अगस्त को सुबह 9 बजे से दोपहर 1 बजे होगा। सहायक अभियंता जी.पी. सिंह ने जानकारी देते हुए बताया कि कृष्णा नगर क्षेत्र की मेटीनेंस होने के कारण विद्युत आपूर्ति बाधित रहेगी।

रक्षा बंधन पर शहर और बस अड्डों पर बढ़ाई सुरक्षा

यूनिक समय, मथुरा। रक्षा बंधन को लेकर पुलिस ने सुरक्षा कड़े सुरक्षा प्रबंध किए हैं। शहर को जोन और सेक्टरों में बांट कर सुरक्षा व्यवस्था की गई है। इस बारे में एसपी सिटी राजीव कुमार ने बताया कि रक्षा बंधन के त्योहार को लेकर सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए हैं। शहर को जोन और सेक्टरों में बांट कर वहां फोर्स लगाया गया है। बस स्टेंडों पर त्योहार पर भाईयों की राखी बंधने के लिए जाती बहनों और महिला की सुरक्षा के लिए महिला पुलिस को तैनात किया गया है। इसके साथ ही शहर में पुलिस गश्त बढ़ा दी गई है। रेलवे स्टेशन से आने वाले रास्तों पर भी पुलिस गश्त की व्यवस्था की गई है। एसएसपी शहर में होने वाली हर घटना पर नजर रखेंगे।

सीढ़ियों पर थूक के निशान, कुर्सियों के नीचे कचरा

वृंदावन के सौ सैया अस्पताल में गंदगी से मरीज परेशान

डॉक्टरों की गैरमौजूदगी से भी मरीजों को हुई परेशानी

यूनिक समय, वृंदावन। सौ सैया अस्पताल में गुरुवार को साफ–सफाई व्यवस्था की बदहाल स्थिति सामने आई। अस्पताल परिसर में जगह–जगह गंदगी दिखाई दी। सीढ़ियों पर थूक के निशान और जमा गंदगी ने स्वच्छता व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए। वहीं, मरीजों और तीमारदारों के बैठने के लिए रखी कुर्सियों के नीचे भी कचरा पड़ा मिला। अस्पताल जैसे महत्वपूर्ण स्थान पर इस तरह की स्थिति मरीजों और उनके परिजनों के लिए चिंता का कारण बनी हुई है।

सीडीओ डा. पूजा गुप्ता ने बीते सप्ताह सौ सैया अस्पताल का निरीक्षण किया, गंदगी को दूर करने के निर्देश भी दिए, लेकिन अस्पताल प्रशासन पर अब तक इन निर्देशों का असर नहीं दिखा है। आज अस्पताल की सीढ़ियों पर जगह–जगह थूक के निशान दिखाई देने से परिसर की सफाई व्यवस्था पर सवाल उठ रहे हैं। मरीजों और तीमारदारों को इन्हीं सीढ़ियों से होकर आवागमन करना पड़ता है। ऐसे में गंदगी के कारण संक्रमण फैलने की आशंका भी बनी रहती है। अस्पताल में आने वाले लोगों का कहना है कि नियमित सफाई के साथ परिसर में स्वच्छता के प्रति जागरूकता भी बढ़ाई जानी चाहिए।

यह दाग कुछ कहते हैं : सौ सैया अस्पताल की सीढ़ियों के पास पान- गुटखा की गंदगी।

बैठने वाले स्थानों की स्थिति भी बेहतर नहीं मिली। कुर्सियों के नीचे कचरा जमा था और कई स्थानों पर सफाई की जरूरत साफ दिखाई दे रही थी। लोगों का कहना है कि अस्पताल में मरीजों की संख्या को देखते हुए सफाई व्यवस्था पर विशेष ध्यान दिया जाना चाहिए। परिसर में जगह–जगह कूड़ेदान रखने और उनका नियमित निस्तारण कराने की जरूरत है।

वहीं, अस्पताल में चिकित्सकों की उपलब्धता को लेकर भी मरीजों और तीमारदारों में नाराजगी नजर आई। लोगों के अनुसार, गुरुवार को कुछ चिकित्सक अस्पताल में मौजूद नहीं थे, जिसके कारण मरीजों को परेशानी उठानी पड़ी। मरीजों और तीमारदारों ने अस्पताल प्रशासन से सफाई व्यवस्था दुरुस्त कराने और चिकित्सकों की नियमित उपस्थिति सुनिश्चित करने की मांग की है। उनका कहना है कि अस्पताल में आने वाले लोगों को स्वच्छ वातावरण और समय पर चिकित्सा सुविधा मिलनी चाहिए।

अब ब्लैक स्पॉट पर होगा काम हादसों पर लगेगी लगाम : गोकर्ण

देश में प्रतिवर्ष होते हैं करीब पांच लाख सड़क हादसे, 1.80 लाख लोगों की होती है मौत

यूनिक समय, कोसीकलां। देश में लगातार बढ़ रहे सड़क हादसों पर अंकुश लगाने के लिए राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा बोर्ड अब नई रणनीति पर काम करेगा। नेशनल हाईवे पर चिन्हित ब्लैक स्पॉट को सुधारने की प्रक्रिया में बदलाव किया जाएगा और अतिसंवेदनशील बिंदुओं पर मिशन मोड में कार्य होगा।

यह बात राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा बोर्ड के नवनियुक्त अध्यक्ष नितिन रमेश गोकर्ण ने गुरुवार को कही। वह एक निजी कार्यक्रम में यहां पहुंचे थे, जहां भाजपा के पूर्व मंडल अध्यक्ष हरिओम गुप्ता, सुभाष गोयल, अंकित गुप्ता आदि ने उनका स्वागत किया। गोकर्ण ने बताया कि देश में प्रतिवर्ष लगभग पांच लाख सड़क हादसे होते हैं। इनमें करीब एक लाख 80 हजार लोगों की मौत हो जाती है, जबकि चार लाख से

राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा बोर्ड के नवनियुक्त अध्यक्ष नितिन रमेश गोकर्ण का स्वागत करते सुभाष गोयल, हरिओम गुप्ता, अंकित गुप्ता।

अधिक लोग गंभीर घायल होते हैं। सबसे चिंताजनक बात यह है कि यह आंकड़ा हर साल बढ़ रहा है। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी भी इस पर चिंता जता चुके हैं। बोर्ड का प्रयास है कि यातायात नियमों को सख्त कर और सड़क सुरक्षा मानकों को अंतरराष्ट्रीय स्तर का बनाकर हादसों को कम से कम किया जाए। उन्होंने बताया कि हाल ही में एनएचएआई मुख्यालय में एनएचएआई, राज्यों के अधिकारियों और सड़क सुरक्षा विशेषज्ञों के साथ बैठक में मौजूदा व्यवस्था की समीक्षा की गई। तय किया गया कि ब्लैक स्पॉट सुधार की सतत प्रक्रिया के साथ-साथ अब हर क्षेत्र में 10-10 सर्वाधिक दुर्घटना संभावित बिंदुओं को चिन्हित कर प्राथमिकता के आधार पर समयबद्ध सुधार किया जाएगा। पहले चरण में सबसे गंभीर 10 स्पॉट और फिर अगले चरण में उससे कम गंभीर स्पॉट को ठीक किया जाएगा।

गोकर्ण ने बताया कि वर्तमान में देशभर में 13 हजार से अधिक ब्लैक स्पॉट चिन्हित हैं, जिनमें से लगभग पांच हजार का सुधार किया जा चुका है।

गौरतलब है कि किसी सड़क के 500 मीटर के दायरे में लगातार तीन वर्षों में पांच या अधिक दुर्घटनाएं होने पर उसे ब्लैक स्पॉट माना जाता है।

सुरीर थाने में आग बुझाने को हुई मॉक ड्रिल

पुलिस कर्मियों को मॉक ड्रिल के दौरान आग बुझाने के गुर सिखाते फायर ब्रिगेड के कर्मचारी।

यूनिक समय, सुरीर। थाने में पुलिस कर्मियों को फायर ब्रिगेड कर्मचारियों ने आग लगने पर उस पर किस तरह काबू किया जा सकता है, इसके गुर बताए। उन्हें बताया गया कि आग लगने से घबराएं नहीं, बल्कि समय पर सटीक कार्रवाई कर बड़ी घटना होने से बचाएं।

थाना परिसर में आज प्रातः आग लगने की खबर से हड़कंप मच गया। ये कोई आग की घटना नहीं थी बल्कि मॉक ड्रिल थी। मांट फायर स्टेशन के प्रभारी निरीक्षक किशन लाल के नेतृत्व में फायर ब्रिगेड कर्मचारी थाने पहुंची। पुलिस कर्मियों को पांच प्रकार की आग उसे बुझाने के तीन मुख्य तरीकों का प्रशिक्षण दिया गया। बिजली से लगने वाली आग के अलावा रसोई गैस से लगने वाली आग लगने की स्थिति में तत्काल उठाए जाने वाले उपायों की जानकारी दी गई। फायर टीम ने पुलिस स्टाफ को बताया कि अलग-अलग तरीके की आग को बुझाने के लिए सही अग्निशमन विधि का इस्तेमाल जरूरी है, ताकि आग पर काबू पाने के साथ-साथ किसी बड़े हादसे को भी रोका जा सके।

निरीक्षक किशन लाल ने बताया कि मॉक ड्रिल के माध्यम से पुलिस कर्मियों को प्रशिक्षित किया जाएगा, अन्य थानों में भी इस तरह की मॉक ड्रिल की जाएगी। मॉक ड्रिल में वारिस हुसैन, महेंद्र सिंह, हरविंदर कुमार, राहुल प्रताप सिंह, सुमन चौधरी, टीना राणा, शिवानी तेवतिया, विजेता गुर्जर और फायर ब्रिगेड के चालक चंद्रशेखर सागर आदि मौजूद थे।

नकली सोने के जेवर बेचने आई दो महिलाएं पकड़ी

सर्राफ ने दी दोनों के खिलाफ तहरीर, पुलिस कर रही है महिलाओं से पूछताछ

यूनिक समय, मथुरा। सौंख के सर्राफा बाजार में दो महिलाएं सोने-चांदी के नकली जेवर बिक्री करने के लिए एक सर्राफ की दुकान पर पहुंची। जेवर की जांच करने की बात कहने पर दोनों महिलाएं जेवरात लेकर दुकान से भाग निकली। शोर करने पर दोनों महिलाओं को पकड़ कर पुलिस के हवाले कर दिया। पुलिस महिलाओं से पूछताछ कर रही है।

बताया गया कि सर्राफा बाजार में सागर वर्मा की दुकान पर पहुंची। महिलाएं जेवर देखने लगी। इसके बाद उन्होंने अपने अपने जेवरात दुकानदार को बिक्री करने के लिए कहा। दुकानदार ने महिलाओं से जेवरात की जांच करने की बात कही। इस पर दोनों महिलाएं जेवरात लेकर भाग ने लगी। सर्राफ के शोर करने पर लोगों ने दोनों महिलाओं को पकड़ लिया। सर्राफा व्यवसाई ने दोनों महिलाओं को पुलिस को सौंपते हुए उनके खिलाफ तहरीर दी है। सीओ अनिल कुमार सिंह ने बताया कि दो महिलाओं से पूछताछ की जा रही है। सर्राफ ने दोनों के खिलाफ तहरीर दी है। जांच के बाद कार्रवाई की जाएगी।

होटल में मिली दो नाबालिग किशोरियां

पुलिस ने होटल कर्मचारी को किया गिरफ्तार

होटल मालिक और एक युवक की तलाश जारी

यूनिक समय, मथुरा। थाना गोविंदनगर पुलिस ने जन्मस्थान के सामने स्थित एक होटल पर छापा मारकर दो नाबालिग लड़कियों को बरामद किया है। पुलिस ने इस मामले में एक होटल के कर्मचारी को भी गिरफ्तार किया है। होटल मालिक और एक अन्य आरोपी की गिरफ्तारी के लिए पुलिस दबिश दे रही है।

गोविंदनगर पुलिस को इस बारे में सूचना मिली की जन्मस्थान के सामने होटल बृजराज में नाबालिगों को कमरा दिया गया है। इस जानकारी पर पुलिस ने छापे मारी कर वहां से 14 और 16 साल की दो किशोरियों को बरामद कर लिया। पुलिस ने होटल के एक कर्मचारी को भी गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने बरामद नाबालिग किशोरियों के परिवारीजनों को भी इस बारे में सूचना दी। पुलिस के कर्मचारी ने होटल मालिक जगदीश के बारे में जानकारी दी। यही नहीं मटिया दरवाजा निवासी युवक इमरान के बारे में इस मामले में पुलिस को पता लगा। पुलिस ने इमरान और होटल मालिक जगदीश की गिरफ्तारी के लिए दबिश दे रही है। इसके साथ दोनों किशोरियों की काउंसलिंग और मेडिकल कराई जा रही है।

कार की टक्कर से युवक की मौत

बहन को सड़क पार कराते समय हुआ हादसा

यूनिक समय, मथुरा। थाना छाता के गुहारी कट पर बहन को सड़क पार कराते एक युवक को तेज रफ्तार कार ने टक्कर मार दी। दुर्घटना में युवक की मौत हो गई।

गुहारी निवासी युवक मेघश्याम उर्फ कल्ला पुत्र दीपो अपनी बहन के साथ रात को करीब साढ़े आठ बजे कुहारी कट पर सड़क पार कर रहा था। इसी दौरान तेज गति से आती अनियंत्रित कार ने उसे जोरदार टक्कर मार दी। दुर्घटना में गंभीर रुप से घायल युवक को कोसीकलां के एक हॉस्पिटल में ले जाया गया। चिकित्सक ने उसकी चिंताजनक हालत को देखते हुए प्राथमिक उपचार देने के बाद केडी मेडिकल कालेज के लिए रैफर कर दिया।

बताया गया कि अस्पताल पहुंचने पर चिकित्सकों ने उसका परीक्षण करने के बाद मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने शव का पंचनामा करने के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

किशोरी से दुराचार करने वाला बाल अपचारी हिरासत में

यूनिक समय, मथुरा। थाना राया में स्कूल में पढ़ने वाली एक छात्रा को उसके हम उम्र ने कार से ले जाकर एक गेस्टहाउस में दुराचार किया। किसी से कहने पर जान से मारने की धमकी दी। इस मामले में छात्रा के पिता ने थाना राया में रिपोर्ट दर्ज कराई है। पुलिस ने बाल अपचारी को हिरासत में ले लिया।

किशोरी के पिता ने पुलिस को दी गई तहरीर में कहा है कि उसकी पुत्री स्कूल के लिए जा रही थी। तभी किशोर उसे गाड़ी में बिठा कर गेस्टहाउस ले गया। गेस्टहाउस में उसके साथ दुष्कर्म किया। पुलिस ने इस मामले में केस दर्ज कर बाल अपचारी को हिरासत में ले लिया।

रक्षाबंधन से पहले मथुरा जंक्शन पर उमड़ी भीड़

डिब्बे में सीट के लिए मारा-मारी खिड़कियों से ट्रेन में चढ़े यात्री

घर जाने के लिए जंक्शन पर भीड़ बनी रही। ट्रेन में सवार होने के लिए दोनों ओर खड़े यात्री। ट्रेन में खिड़की से प्रवेश नहीं मिला तो विंडों को सहारा बनाकर कोच में प्रवेश करता यात्री।

यूनिक समय, मथुरा। रक्षाबंधन से एक दिन पहले गुरुवार को मथुरा जंक्शन पर यात्रियों की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। कासगंज की ओर जाने वाली ट्रेन के प्लेटफार्म संख्या 8, 9 और 10 पर पहुंचते ही यात्रियों में सीट पाने की होड़ मच गई। ट्रेन के रुकते ही यात्री एक साथ उसमें चढ़ने के लिए टूट पड़े। हालात यह रहे कि कई यात्रियों ने जान जोखिम में डालकर खिड़कियों के रास्ते ट्रेन में प्रवेश किया। भीड़ के कारण प्लेटफार्म पर काफी देर तक अफरा-तफरी का माहौल बना रहा। रक्षाबंधन पर लोग अपने घरों और रिश्तेदारों के यहां जाने के लिए रेलवे का सहारा ले रहे हैं। गुरुवार को मथुरा जंक्शन पर इसका असर साफ दिखाई दिया।

पुराने अड्डे पर अलीगढ़ जाने के लिए बस में सवार होते यात्री।

कासगंज जाने वाली ट्रेनों में यात्रियों की संख्या अधिक रही। ट्रेन के प्लेटफार्म पर लगते ही यात्री अपनी सीट सुरक्षित करने के लिए तेजी से डिब्बों की ओर दौड़ पड़े। कई यात्री दरवाजे से जगह नहीं मिलने पर खिड़की के रास्ते अंदर घुसते दिखाई दिए। वहीं, मथुरा जंक्शन के प्लेटफार्म संख्या 1 से 6 तक यात्रियों की संख्या अपेक्षाकृत कम रही। इन प्लेटफार्मों पर सामान्य दिनों की तरह ही आवागमन दिखाई दिया। सबसे अधिक दबाव कासगंज की ओर जाने वाली ट्रेनों वाले प्लेटफार्मों पर रहा। स्टेशन प्रबंधक सुनील कुमार शर्मा ने

कासगंज जाने वाली ट्रेनों में पैर रखने तक की जगह नहीं मिली, प्लेटफार्म 1 से 6 तक खाली से रहे

बताया कि रक्षाबंधन के दौरान यात्रियों की भीड़ को देखते हुए करीब आठ अतिरिक्त ट्रेनें चलाई जा रहीं है। यात्रियों को उनके गंतव्य तक पहुंचाने के लिए ट्रेनों के संचालन में भी विस्तार किया गया है। कुछ ट्रेनें पहले बयाना से मथुरा तक संचालित होती थीं, जिन्हें त्योहार के दौरान अलवर तक चलाया जाएगा। इसके अलावा कासगंज-अछनेरा रेल मार्ग पर भी ट्रेनों के फेरे और संचालन क्षेत्र को बढ़ाया गया है।

मारपीट करने आए युवक कार छोड़ भागे

यूनिक समय, सुरीर। कोतवाली क्षेत्र के गांव बदनपुर में जबरन अपनी जमीन बताकर मारपीट करने आए युवक विरोध करने पर कार छोड़ भागे। इस मामले में पुलिस को लिखित तहरीर दी गई है। गांव बदनपुर निवासी रवि ने पुलिस को दी शिकायत में कहा है कि गांव में जमीन उसके और भाई और मां के नाम है। हमारे ही परिवार का एक युवक जमीन को अपनी बताते हुए बुधवार की रात कार में साथियों को लेकर हमारे घर आया और गाली-गलौज करते हुए मारपीट करने को आमदा हो गया। विरोध करने पर युवक अपने साथियों के साथ कार छोड़ कर वहां से भाग निकला। रवि का यह भी कहना है वह आएं दिन मारपीट करने,जान से मारने की धमकी देता है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

राखी बांधने के बाद पुलिसजनों के साथ मौजूद छात्राएं।

छात्राओं ने थाना स्टाफ को बांधी राखी

यूनिक समय, नौहझील। कस्बा के शेरगढ़ रोड पर स्थित पंडित दीनदयाल उपाध्याय बालिका इंटर कॉलेज की छात्राओं ने एक नई पहल पेश की। जो पूरे कस्बा को अपना परिवार मानते हैं, आज उन रखवाले पुलिस कर्मियों के लिए यह रक्षाबंधन बेहद खास बन गया। गुरुवार को रक्षाबंधन पर्व पर पंडित दीनदयाल उपाध्याय बालिका इंटर कॉलेज की छात्राओं ने थाना प्रभारी अंजीश कुमार सहित सभी पुलिसकर्मियों की कलाइयों पर राखियां बांधी। थाना के समस्त स्टाफ ने छात्राओं को सम्मानित किया । इस दौरान विद्यालय के प्रबंधक संतोष भारद्वाज और समस्त अध्यापक-अध्यापिका आदि मौजूद रहे।

बाजार में तीन दिन से लावारिस खड़ा ई-रिक्शा

यूनिक समय, कोसीकलां। सर्राफा बाजार में तीन दिन से एक लावारिस ई-रिक्शा खड़े होने की खबर से बाजार में सनसनी फैल गई। बताया गया कि सर्राफा बाजार में तीन दिन से एक ई-रिक्शा लावारिस हालत में खड़ा हुआ था। व्यवसाइयों ने ई-रिक्शा के बारे में जानकारी की, लेकिन उसका कोई भी मालिक सामने नहीं आया। पुलिस को भी इस लावारिस रिक्शे के बारे में सूचना दी गई,लेकिन पुलिस ने इस पर कोई कार्रवाई नहीं की। पुलिस द्वारा कार्रवाई न करने से सर्राफा व्यवसाइयों में आक्रोश है। थाना प्रभारी ने चौकी को इस मामले में जांच करने को कहा है।

उठावनी

स्व.श्रीमती शशि रानी अग्रवाल

अत्यन्त दुःख के साथ सूचित करना पड़ रहा है कि हमारी पूज्य माताजी श्रीमती शशि रानी अग्रवाल (पत्नी स्व. श्री चन्द्र किशोर अग्रवाल (मैदा वाले) का गोलोकवास दिनांक 26.08.2026 दिन (बुधवार) को हो गया है। उठावनी (आज) दिनांक 28.08.2026 दिन (शुक्रवार) को महिलाओं एवं पुरुषों (दोनों पक्षों) की सुबह 11:00 से 12:00 बजे तक अग्रवाटिका मसानी बाईपास लिंक रोड़, मथुरा पर होगी।

-: शोकाकुल :-

जितेन्द्र अग्रवाल-रश्मि अग्रवाल (पुत्र-पुत्रवधू)

कौशल किशोर-रमा अग्रवाल
विजय किशोर-कमलेश अग्रवाल
प्रेम किशोर-प्रीति अग्रवाल
नंदलाल-सुरेखा अग्रवाल
प्रदीप-संगीता अग्रवाल (श्री ग्रुप)
सुदीप-अलका अग्रवाल (श्री ग्रुप)
(देवर-देवरानी)
उषा रानी-प्रकाश चंद्र अग्रवाल
राजरानी-गोपाल अग्रवाल
(नन्द-नन्दोई)
सतीश, राजकुमार, मुकेश, पंकज, आशीष, पीयूष, सचिन, अंशुल, अर्पित, शेखर, अमन
(भतीजेगण)

बरखा-राजेश अग्रवाल, चीना-रवि अग्रवाल
लीना-अम्बरीश अग्रवाल (पुत्री-दामाद)
हर्ष-मेघा अग्रवाल (पौत्र-पौत्रवधू)
स्नेहा अग्रवाल (पौत्री)
मानविक, कृशिव (प्रपौत्र)
ऋषभ-पूजा अग्रवाल
रचित-मीनल अग्रवाल
दिव्यांग-निशिका अग्रवाल, जय अग्रवाल
(धेवता-धेवतावधू)
हर्षिता-पल्लव कंसल, दिव्यांशी
(धेवती-धेवतीदामाद)
अंशुमान, आदित्य, शोभित
(भांजे)

समस्त मैदा वाला परिवार, मथुरा

-:फर्म:-
★स्मार्ट विजन इन्फ्राकॉन प्राइवेट लिमिटेड, मथुरा

मायका पक्ष- प्रदीप (गणेश) जौहरी, नितेश अग्रवाल (चेन्स) (भ्रातागण) अमित, विकास, आकाश (भतीजेगण)

ट्रेन से घिसटते यात्री को खींच मुख्य आरक्षी ने बचाई जान

मथुरा जंक्शन के प्लेट फॉर्म पर ट्रेन से घिसटता यात्री।

यूनिक समय, मथुरा। मथुरा जंक्शन के प्लेटफॉर्म संख्या नौ पर ट्रेन में चढ़ने के दौरान एक यात्री पैर फिसलने से ट्रेन के साथ घिसटने लगा। वहां ड्यूटी कर रहे मुख्य आरक्षी ने उसे अपनी जान की परवाह किए बगैर खींच कर उसकी जान बचाई। मुख्य आरक्षी की सभी ने तारीफ की। थाना जीआरपी मथुरा जंक्शन पर तैनात मुख्य आरक्षी सुरजीत कुमार मथुरा जंक्शन के प्लेट फॉर्म संख्या नौ पर ड्यूटी कर रहे थे। इसी दौरान लालकुआं राजकोट स्पेशल के स्टेशन से चलने का समय हो गया।

ट्रेन में चढ़ने के दौरान यात्री का फिसला था पैर

एक यात्री चलती ट्रेन में चढ़ने लगा। यात्री का पैर फिसल गया और ट्रेन के साथ घिसटने लगा। मुख्य आरक्षी सुरजीत कुमार ने देखा तो उसने बिना समय गंवाएं अपनी जान की परवाह किए बगेर ट्रेन के साथ घिसट रहे यात्री को किसी तरह प्लेट फॉर्म पर खींच कर उसकी जान बचाई। मुख्य आरक्षी द्वारा दिखाए गए साहस और सूजबूझ की स्टेशन पर मौजूद यात्रियों ने प्रशंसा की।

बाजारों में उमड़ी भीड़, राहों पर लगता रहा जाम

यूनिक समय, मथुरा। रक्षाबंधन पर्व से एक दिन पहले कान्हा की नगरी में बाजारों में खरीदारी को लेकर लोगों की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। राखी, मिठाई, कपड़े और अन्य जरूरी सामान खरीदने के लिए सुबह से ही शहर के प्रमुख बाजारों में लोगों की आवाजाही बढ़ गई। भीड़ बढ़ने के साथ ही कई प्रमुख मार्गों और चौराहों पर यातायात व्यवस्था भी प्रभावित हुई।

शहर के सबसे पॉश बाजारों में शामिल कृष्णा नगर में रक्षाबंधन की खरीदारी के लिए बड़ी संख्या में लोग पहुंचे। बाजार में दुकानों के बाहर ग्राहकों की भीड़ दिखाई दी। वाहनों की संख्या बढ़ने के कारण कृष्णा नगर चौराहे पर जाम की स्थिति बन गई। इसका असर गोवर्धन चौराहे तक भी देखने को मिला। वाहन चालकों को

गुरुवार को रक्षाबंधन पर भीड़ बढ़ी तो जाम लग गया। कृष्णानगर पुलिस चौकी के सामने जाम में फंसे वाहन।

काफी देर तक जाम में फंसे रहना पड़ा।

कृष्णा नगर के अलावा होली गेट, घीया मंडी, रामदास सहित शहर के अन्य प्रमुख बाजारों में भी खरीदारी के लिए लोगों की भीड़ रही।

बाजारों में बढ़ी भीड़ के कारण कई स्थानों पर यातायात धीमी गति से चलता नजर आया।

रक्षाबंधन को लेकर महिलाओं के लिए बस यात्रा निशुल्क किए जाने के चलते शहर में रोडवेज और अन्य बसों की संख्या भी अधिक दिखाई दी।

बसों के भूतेश्वर तिराहा, बीएसए तिराहा और स्टेट बैंक चौराहे से दूसरी

कृष्णा नगर समेत प्रमुख बाजारों में खरीदारी को उमड़े लोग

बसों की बढ़ती संख्या और वाहनों से शहर में लगा लंबा जाम

दिशा में मुड़ने के कारण इन स्थानों पर भी यातायात का दबाव बढ़ गया। शाम होते-होते शहर के अधिकांश प्रमुख मार्गों पर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं।

जाम के कारण राहगीरों और वाहन चालकों को एक स्थान से दूसरे स्थान तक पहुंचने में काफी परेशानियों का सामना करना पड़ा।

मजदूर से मारपीट मामले में न्यायालय के आदेश पर रिपोर्ट

यूनिक समय, मथुरा। एक मजदूर से मारपीट किए जाने का मुकदमा थाना राया में दर्ज न किए जाने पर मजदूर ने न्यायालय की शरण ली। न्यायालय के आदेश पर मारपीट करने वालों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है।

रिपोर्ट के अनुसार18 जुलाई को प्रातः करीब छह बजे गांव बना निवासी सतीश कुमार मजदूरी के लिए घर से निकला रास्ते में संजय, अजीत, मुन्नी, रेनू और पिंकी सहित आधा दर्जन लोगों ने उसे रोक कर गाली गलौज की। विरोध करने पर उसके साथ मारपीट कर घायल कर दिया। यही नहीं हमलावरों ने उसकी पत्नी और बेटे आदि के साथ भी मारपीट की। पुलिस को सूचना दिए जाने के बाद भी पुलिस ने उसकी रिपोर्ट दर्ज नहीं की। पीड़ित ने न्यायालय का सहारा लिया, इसके बाद ही उसकी रिपोर्ट दर्ज हो सकी। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज करने के बाद जांच शुरु कर दी है।

यूनिक समय

स्वामी पवन गौतम के लिए राजकुमार गौतम द्वारा दैनिक यूनिक समय, 6 शंकर विहार, कृष्णा नगर मथुरा 281004 से प्रकाशित एवं बालाजी ऑफसेट प्रिंटिंग प्रेस कृष्णा नगर, मथुरा से मुद्रित।
कार्यालयः- यूनिक बिल्डिंग, 289-290 डायबिल नगर, कृष्णा नगर चौक, मथुरा।
संपादक-पवन गौतम
फोन नंबर-0565-3550761
मो. 9837155888
E-mail : uniquesamaynews@gmail.com
website : uniquesamay.com
RNI-UPHIN/2023/85053
DAVP-: 134220
डाक पंजीकृत संख्या मथुरा 071/2026-28
सभी विवादों का न्यायालय स्थान मथुरा होगा।

जीएलए में अंतरराष्ट्रीय शिक्षाविद् ने सिखाई प्रभावी शिक्षण की नई तकनीक

यूनिक समय, मथुरा। जीएलए विश्वविद्यालय में आयोजित चार दिवसीय एफडीपी में पेन स्टेट यूनिवर्सिटी, अमेरिका के प्रोफेसर-वरिष्ठ वैज्ञानिक ने शिक्षकों को आधुनिक शिक्षण पद्धतियों, छात्र–केंद्रित मूल्यांकन तकनीकों और कक्षा में प्रभावी जुड़ाव बढ़ाने की रणनीतियों की जानकारी दी गई। अंतरराष्ट्रीय शिक्षाविद् के मार्गदर्शन में आयोजित कार्यक्रम में उच्च शिक्षा को परिणाम–आधारित और संवादात्मक बनाने के साथ शिक्षण की गुणवत्ता और शोध संस्कृति को मजबूत करने पर विशेष जोर दिया गया।

जीएलए विश्वविद्यालय में एफडीपी के दौरान पेन स्टेट यूनिवर्सिटी, अमेरिका के शिक्षा नीति अध्ययन विभाग के प्रमुख एवं सीएसएचई के वरिष्ठ वैज्ञानिक प्रो. केविन किंसर के साथ हैं कुलपति प्रो. अनूप कुमार गुप्ता एवं सीएफओ डा. विवेक अग्रवाल व अन्य।

कार्यक्रम के दौरान पेन स्टेट यूनिवर्सिटी, अमेरिका के शिक्षा नीति अध्ययन विभाग के प्रमुख और सीएसएचई के वरिष्ठ वैज्ञानिक प्रो. केविन किंसर ने स्मार्ट मॉडल के आधार पर सटीक- स्पष्ट शिक्षण परिणाम (एसएलओ) तैयार करने की आवश्यकता को रेखांकित किया। उन्होंने बताया कि शिक्षक अपने पाठ्यक्रम के उद्देश्यों को किस प्रकार मापने योग्य, व्यावहारिक और समयबद्ध बना सकते हैं। साथ ही, विद्यार्थियों की सीखने की विविध क्षमताओं को ध्यान में रखते हुए दृश्य, श्रव्य, पठन–लेखन और व्यावहारिक तकनीकों के संतुलित उपयोग पर जोर दिया गया, जिससे प्रत्येक विद्यार्थी अपनी स्वाभाविक क्षमता के अनुरूप बेहतर ढंग से ज्ञान अर्जित कर सके।

मूल्यांकन प्रणालियों पर चर्चा करते हुए उन्होंने रचनात्मक (फॉर्मेटिव) और योगात्मक (समेटिव) मूल्यांकन के बीच संतुलन स्थापित करने का सुझाव दिया। उन्होंने बताया कि कक्षा में प्रश्नोत्तरी, मतदान और दैनिक चर्चाओं के माध्यम से किया जाने वाला रचनात्मक मूल्यांकन विद्यार्थियों की सीखने की प्रक्रिया में निरंतर सुधार का अवसर देता है, जबकि योगात्मक मूल्यांकन सत्र के अंत में विद्यार्थी की समग्र उपलब्धि का आकलन करता है। इसके साथ ही, विद्यार्थियों को शुरुआती स्तर से विकसित करते हुए पूर्ण रूप से स्वतंत्र-कुशल बनाने के लिए स्पष्ट दक्षता मापदंड का ढांचा भी प्रस्तुत किया गया। एफडीपी सत्रों के दौरान डॉ. किंसर ने अध्यापकों के सामने शिक्षण क्षेत्र में आने वाली विभिन्न समस्याओं, व्यावहारिक चुनौतियों के समाधान भी प्रस्तुत किए। कार्यक्रम के दौरान ही प्रोफेसर केविन किन्सर और उनकी पत्नी प्रोफेसर जूली अर्बन ने जीएलए के कुलपति प्रोफेसर अनूप कुमार गुप्ता, मुख्य वित्त अधिकारी डॉ. विवेक अग्रवाल,प्रोफेसर प्रमोद जोशी से औपचारिक मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने जीएलए के शैक्षणिक स्तर की प्रशंसा की। कहा कि विश्वविद्यालय पहले से ही कई ऐसे मॉडल-प्रणालियों का सफलतापूर्वक उपयोग कर रहा है, जो अमेरिका की पेन स्टेट यूनिवर्सिटी और अन्य शीर्ष अंतरराष्ट्रीय विश्वविद्यालयों में अपनाए जाते हैं।

कुलपति प्रो. अनूप कुमार गुप्ता ने कहा कि जीएलए विश्वविद्यालय आधुनिक शिक्षण तकनीकों, डिजिटल नवाचार और टेक्नोलॉजी–इनेबल्ड लर्निंग को बढ़ावा देने के लिए निरंतर प्रयासरत है। डीन एकेडमिक्स प्रो. आशीष शर्मा ने विश्वविद्यालय की शैक्षिक उपलब्धियों, चल रही शोध गतिविधियों और भविष्य की योजनाओं की जानकारी दी। कार्यक्रम का संयोजन बायोटेक्नोलॉजी विभाग की डॉ. रूही सिक्का, एकेडमिक सक्सेस सेंटर की डायरेक्टर डॉ. हिमानी सिंह और सीएसई विभाग की डॉ. रोहिणी रैना द्वारा किया गया।

मिनी नंदिनी योजना में महिलाओं की आधी हिस्सेदारी तय

छह डेयरी इकाइयों में से तीन महिलाओं को मिला लाभ

145 आवेदनों में 105 निकले पात्र, ई–लॉटरी से हुआ चयन

यूनिक समय, मथुरा। दुग्ध उत्पादन के क्षेत्र में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने के लिए इस बार मिनी नंदिनी योजना में विशेष प्रावधान हुआ है। जिले में आवंटित छह डेयरी इकाइयों में 50 प्रतिशत हिस्सेदारी महिलाओं के लिए तय की गई है। इसके तहत तीन इकाइयां महिलाओं के नाम आवंटित हुई हैं, हुआ जबकि तीन इकाइयों के लिए पुरुष लाभार्थियों का चयन हुआ है। गुरुवार को राजीव भवन में पात्र दह लाभार्थियों का चयन ई–लॉटरी के माध्यम से किया गया।

राजीव भवन सभागार में निकाली जा रही ई- लाटरी के दौरान पीडी अरूण कुमार उपाध्याय, सीवीओ एनएन शुक्ला आदि।

योजना में महिलाओं को मिली आधी हिस्सेदारी

सीडीओ डा. पूजा गुप्ता ने बताया कि पहली बार महिलाओं को योजना में 50 प्रतिशत का लाभ दिया गया है। इससे ग्रामीण महिलाओं को डेयरी क्षेत्र से जोड़ने और उन्हें आर्थिक रूप से मजबूत बनाने में मदद मिलेगी। जिले में दुग्ध उत्पादन को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है। आज ई- लाटरी के दौरान नंद बाबा दुग्ध योजना के अंतर्गत संचालित मिनी नंदिनी योजना में तीन महिलाओं का चयन किया गया।

पशुपालन विभाग के अनुसार, योजना का उद्देश्य दुग्ध उत्पादन बढ़ाने के साथ ग्रामीण क्षेत्र में रोजगार के अवसर पैदा करना और किसानों की आय में वृद्धि करना है। महिलाओं को डेयरी कारोबार से जोड़कर उन्हें आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में भी इसे महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। पहली बार योजना में महिलाओं के लिए 50 प्रतिशत लाभ निर्धारित किया गया है। मिनी नंदिनी योजना के तहत एक डेयरी इकाई स्थापित करने की निर्धारित लागत 23.60 लाख रुपये है। इसमें सरकार की ओर से कुल लागत का 50 प्रतिशत यानी 11.80 लाख रुपये अनुदान के रूप में दिया जाएगा। वहीं, 35 प्रतिशत राशि बैंक ऋण के माध्यम से उपलब्ध कराई जाएगी। शेष 15 प्रतिशत राशि लाभार्थी को अपने स्तर से लगानी होगी।

इकाई स्थापित करने के लिए आवेदक के पास कम से कम 0.2 एकड़ भूमि होना आवश्यक है। योजना के तहत लाभार्थियों को जर्सी या अन्य विदेशी नस्ल की गाय रखने की अनुमति नहीं होगी। डेयरी इकाई में साहीवाल, गिर और थारपारकर जैसी उन्नत स्वदेशी नस्ल की गायें रखनी होंगी।

मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी डा. एनएन शुक्ला ने बताया कि विभाग को 31 कुल 145 आवेदन प्राप्त हुए थे। जांच के बाद इनमें से 105 आवेदक पात्र पाए गए हैं। अब इन्हीं पात्र आवेदकों में से छह लाभार्थियों का चयन किया गया है। विभाग के अनुसार, निदेशालय स्तर से ऑनलाइन ई–लॉटरी आयोजित करने के निर्देश आने के बाद आज राजीव भवन सभागार में इसी प्रक्रिया के माध्यम से तीन महिलाओं और तीन पुरुषों का चयन किया गया, जिसमें शैलेंद्र, चंद्रपाल, सुरेश चंद और कृष्णा देवी, चंचल, अनीता देवी शामिल हैं। ई-लाटरी के दौरान पीडी अरूण कुमार उपाध्याय, सीवीओ डा. एनएन शुक्ला आदि अधिकारी मौजूद रहे।

शहदपुर विद्यालय के इंचार्ज प्रधानाध्यापक निलंबित

निरीक्षण में मिली गंभीर खामियां, अनुशासनहीनता के आरोप

स्वतंत्रता दिवस आयोजन में भी सामने आई अनियमितताएं

यूनिक समय, मथुरा। विकासखंड चौमुहां के उच्च प्राथमिक विद्यालय शहदपुर में विद्यालयीय व्यवस्थाओं में गंभीर खामियां मिलने पर बीएसए रतन कीर्ति ने इंचार्ज प्रधानाध्यापक गजेन्द्र सिंह को निलंबित कर दिया है। उन पर शैक्षणिक कार्य, अनुशासन, स्वच्छता, अभिलेखों के रखरखाव और प्रशासनिक दायित्वों में लापरवाही के आरोप हैं।

शिकायतों के बाद बीएसए ने खंड शिक्षा अधिकारी चौमुहां राकेश कुमार को जांच में सहयोग के लिए नामित किया। दोनों अधिकारियों ने 20 अगस्त को विद्यालय का स्थलीय निरीक्षण किया। इस दौरान विद्यालय के शिक्षकों, ग्राम प्रधान, अभिभावकों, ग्रामीणों और छात्र–छात्राओं से जानकारी लेने के साथ अभिलेखों की भी जांच की गई।

जांच में विद्यालय का शैक्षणिक और प्रशासनिक वातावरण संतोषजनक नहीं मिला। स्टाफ के बीच आपसी समन्वय और अनुशासन की कमी के साथ शौचालय, पेयजल और स्वच्छता व्यवस्था में भी खामियां मिलीं। आरोप है कि गजेन्द्र सिंह ने शासकीय अभिलेख सक्षम अधिकारी की अनुमति के बिना निजी आवास पर रखे और विद्यालय को मिली समग्र अनुदान राशि का जरूरत के अनुसार प्रभावी उपयोग नहीं किया।

निरीक्षण के दौरान अधिकारियों के साथ ऊंची आवाज में अभद्र व्यवहार करने और बिना अपना पक्ष रखे विद्यालय से चले जाने को भी गंभीरता से लिया गया। स्वतंत्रता दिवस के आयोजन को लेकर हुई जांच में शुरुआत में विद्यालय में राष्ट्रीय ध्वज उपलब्ध नहीं होने और इसको लेकर गजेन्द्र सिंह और सहायक अध्यापक मेघश्याम पाठक के बीच विवाद की बात सामने आई। छात्र–छात्राओं और अभिभावकों ने शिक्षकों के बीच विवाद और गाली–गलौज की जानकारी भी दी।जांच समिति की 25 अगस्त की संस्तुति के आधार पर गजेन्द्र सिंह को निलंबित किया गया है। निलंबन अवधि में उनकी उपस्थिति उच्च प्राथमिक विद्यालय कन्या अगरयाला में दर्ज कराने के निर्देश दिए गए हैं। खंड शिक्षा अधिकारी मांट को जांच अधिकारी नामित करते हुए 15 कार्य दिवस में साक्ष्यों सहित जांच रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए हैं।

जेसीआई ग्रेटर की 43 वीं सेरेमनी में हुआ पूर्व अध्यक्षों का सम्मान

इंस्टॉलेशन सेरेमनी मनाते जेसीआई ग्रेटर के सदस्य।

यूनिक समय, मथुरा। जेसीआई ग्रेटर मथुरा द्वारा 43 वीं इंस्टॉलेशन सेरेमनी का आयोजन किया गया। इस मौके पर केक काटकर सदस्यों के द्वारा विभिन्न मनोरंजक खेल और रंगारंग आयोजित किए गए। शॉल और स्मृति चिन्ह देकर संस्था के पूर्व अध्यक्ष रवि सरीन, राजेंद्र अग्रवाल, पीडी खंडेलवाल, विजय अग्रवाल, मुरारी लाल अग्रवाल, अजय गुडेरा, रवि अग्रवाल,विपिन सिंगल,नरेश अग्रवाल,नरेंद्र अग्रवाल,अंशुल गर्ग,नितिन अग्रवाल,विकास अग्रवाल, सुशील गर्ग,प्रशांत शाह,मनीष कक्कड़,संजीव अग्रवाल, करण मित्तल,कपिल अग्रवाल,अनुराग अग्रवाल व किशोर मित्तल को सम्मानित किया गया। समारोह में मनीष,गुंजन अग्रवाल, अनूप अग्रवाल, वरुण गर्ग,अभिषेक अग्रवाल, अलका अग्रवाल, मीनाक्षी अग्रवाल, संदीप अग्रवाल, मनीष अग्रवाल, नरेंद्र, अंजना अग्रवाल, नेहा गर्ग, यति गर्ग,किशोर मित्तल सहित आदि लोग उपस्थित रहे।

कोसीकलां में पांच–छह सितंबर को सजेगा कबड्डी का महाकुंभ

यूनिक समय, कोसीकलां। ग्रामीण खेल प्रतिभाओं को मंच प्रदान करने के उद्देश्य से नगर में दो दिवसीय 15वीं कोसी प्रो–कबड्डी लीग–2026 का आयोजन किया जा रहा है। गांगवान सेवा समिति के तत्वावधान में होने वाली इस लीग में महिला-पुरुष वर्ग की टीमें अपने जौहर दिखाएंगी। समिति के संयोजक अशोक सांगवान ने बताया कि प्रतियोगिता का आयोजन बठैन गेट स्थित बीपीएल नर्सिंग होम के पास मैदान पर किया जाएगा। दोनों दिन की प्रतियोगिताएं मैट पर आयोजित होंगी, जिस कारण सभी प्रतिभागी टीमों के लिए नियमानुसार कबड्डी किट अनिवार्य की गई है। लीग के पहले दिन पांच सितंबर शनिवार को महिला वर्ग की प्रतियोगिता आयोजित होगी। मुख्य अतिथि के रूप में समाजसेवी पीसी जैन (दहगांव वाले) और विशिष्ट अतिथि के रूप में श्री गिर्राज जी इंफ्रास्ट्रक्चर के इंदर सिंह सांगवान उपस्थित रहेंगे। महिला वर्ग में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाली टीम को 31 हजार,द्वितीय स्थान पर रहने वाली टीम को 21 हजार रुपये का नकद पुरस्कार प्रदान किया जाएगा। दूसरे दिन छह सितंबर रविवार को पुरुष वर्ग की प्रतियोगिता होगी। इसमें मुख्य अतिथि के रूप में प्रदेश सरकार के कैबिनेट मंत्री चौधरी लक्ष्मीनारायण शिरकत कर खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करेंगे। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में उत्तर प्रदेश कुश्ती संघ के प्रदेश उपाध्यक्ष कमल किशोर वार्ष्णेय, मंत्री प्रतिनिधि नरदेव चौधरी मौजूद रहेंगे। पुरुष वर्ग में प्रथम पुरस्कार 41 हजार, द्वितीय 21 हजार, तृतीय 11 हजार और चतुर्थ पुरस्कार 7100 रुपये रखा गया है।

कर्नाटक में एच1एन1 के 4 हजार से ज्यादा मामले

सरकार ने जारी की हेल्थ एडवाइजरी

यूनिक समय, नई दिल्ली। देश में बढ़ते स्वाइन फ्लू यानी एच1एन1 के मामलों ने चिंता बढ़ा दी है। दिल्ली-एनसीआर के बाद अब कर्नाटक में भी संक्रमण को लेकर स्वास्थ्य विभाग अलर्ट हो गया है। राज्य सरकार ने लोगों को घबराने के बजाय सावधानी बरतने और संक्रमण से बचने के लिए जरूरी एहतियाती कदम उठाने की सलाह दी है।

स्वास्थ्य विभाग के मुताबिक, 22 अगस्त 2026 तक कर्नाटक के 32 जिलों में प्रयोगशाला जांच के दौरान इन्फ्लूएंजा के 4,212 पॉजिटिव मामले सामने आए हैं। साल 2025 में यह संख्या 4,583 और 2024 में 3,903 थी।

सरकार ने जारी की जरूरी एडवाइजरी: एच1एन1 के बढ़ते मामलों के बीच कर्नाटक सरकार ने मौसमी इन्फ्लूएंजा के प्रसार को कम करने के लिए लोगों से सावधानी बरतने की अपील की है। एडवाइजरी में खास तौर पर साफ-सफाई और संक्रमित लोगों से दूरी बनाए रखने पर जोर दिया गया है।

सरकार ने लोगों को सलाह दी है कि छींकते या खांसते समय नाक और मुंह को ढककर रखें। इसके अलावा साबुन और पानी से नियमित रूप से हाथ धोते रहें और शरीर को हाइड्रेट रखने के लिए पर्याप्त मात्रा में तरल पदार्थ लेते रहें। अगर किसी व्यक्ति में स्वाइन फ्लू जैसे लक्षण दिखाई दे रहे हैं, तो उससे दूरी बनाए रखना भी जरूरी है।

एच1एन1 से बचने के लिए क्या न करें: लोगों को अपनी आंख, नाक और मुंह को बार-बार छूने से बचने की सलाह दी गई है। बिना डॉक्टर की सलाह के कोई दवा नहीं लेनी चाहिए। अगर आपमें फ्लू के लक्षण हैं, तो दूसरों से हाथ मिलाने से बचें और संक्रमित होने की स्थिति में भीड़भाड़ वाली जगहों पर जाने से परहेज करें। इस्तेमाल किए गए रुमाल या नेपकिन को दोबारा इस्तेमाल करने से भी बचना चाहिए।

अस्पतालों को भी किया गया अलर्ट: स्वाइन फ्लू से निपटने के लिए राज्य की स्वास्थ्य सुविधाओं में पीपीई किट, एन95 मास्क और ओसेल्टामिविर जैसी जरूरी दवाओं की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करने को कहा गया है।

स्वास्थ्य कर्मचारियों को इली और साड़ी मामलों की जल्द पहचान, जोखिम का आकलन और सही प्रबंधन के लिए भी जागरूक किया गया है।

निजी अस्पतालों और डॉक्टरों को भी एच1एन1 की जांच, परीक्षण और इलाज से जुड़े सरकारी प्रोटोकॉल का पालन करने के निर्देश दिए गए हैं। साथ ही आईएचआईपी प्लेटफॉर्म के जरिए सभी मामलों की रिपोर्टिंग सुनिश्चित करने की सलाह दी गई है।

ऐसे में जरूरी है कि लोग लक्षणों को नजरअंदाज न करें और जरूरत पड़ने पर डॉक्टर से सलाह लें।

बेली फैट कम करने में मददगार हो सकती है ये ड्रिंक

आयुर्वेदिक डॉक्टर ने बताया सेवन का सही तरीका

यूनिक समय, नई दिल्ली। बढ़ता वजन और खासकर पेट की चर्बी आज बड़ी संख्या में लोगों के लिए चिंता का कारण बनी हुई है। बेली फैट सिर्फ शरीर के बाहरी हिस्से तक सीमित नहीं रहता, बल्कि शरीर के अंदरूनी अंगों के आसपास जमा होने वाला फैट भी स्वास्थ्य के लिए नुकसानदायक हो सकता है। ऐसे में वजन घटाने के लिए लोग डाइट और एक्सरसाइज के साथ कई तरह के घरेलू उपाय भी अपनाते हैं।

योग गुरु और द योगा इंस्टीट्यूट की डायरेक्टर डॉक्टर हंसा योगेंद्र ने एक ऐसी ड्रिंक के बारे में बताया है, जो पाचन, हाइड्रेशन और मेटाबॉलिक हेल्थ को सपोर्ट करने में मदद कर सकती है। हालांकि, इसे फैट बर्न करने का कोई जादुई उपाय नहीं माना जा सकता।

कैसे बनाएं ये वेट लॉस ड्रिंक: इस ड्रिंक को बनाने के लिए अदरक का एक छोटा टुकड़ा, आधा चम्मच कलौंजी, दालचीनी का एक टुकड़ा और आधा चम्मच नींबू का रस लें। सबसे पहले अदरक, कलौंजी और दालचीनी को पानी में डालकर गर्म करें। पानी में उबाल आने के बाद गैस बंद कर दें। जब पानी हल्का गुनगुना हो जाए, तो इसमें नींबू का रस मिलाएं। डॉक्टर के बताए तरीके के अनुसार इसका सेवन खाली पेट किया जा सकता है।

कैसे मदद कर सकती है ये ड्रिंक: अदरक पाचन तंत्र को सपोर्ट करने और डाइजेशन बेहतर करने में मदद कर सकता है।

वहीं, कलौंजी में मौजूद बायोएक्टिव कंपाउंड मेटाबॉलिक हेल्थ और इंसुलिन सेंसिटिविटी को सपोर्ट कर सकते हैं।

दालचीनी ब्लड शुगर को मैनेज करने में मदद कर सकती है। इससे अचानक होने वाले ब्लड शुगर स्पाइक और क्रेविंग को नियंत्रित करने में सहायता मिल सकती है। दूसरी ओर, नींबू विटामिन उ और एंटीऑक्सीडेंट्स का स्रोत है और पानी के साथ लेने पर हाइड्रेशन बढ़ाने में मदद करता है।

सिर्फ ड्रिंक से नहीं घटेगा बेली फैट: डॉक्टर हंसा योगेंद्र के मुताबिक, किसी एक ड्रिंक को अकेले फैट कम करने का उपाय नहीं माना जा सकता। वजन घटाने के लिए संतुलित डाइट, पर्याप्त शारीरिक गतिविधि और नियमित एक्सरसाइज जरूरी है। रोजाना सूर्य नमस्कार और अन्य व्यायाम को अपनी दिनचर्या में शामिल करना भी फायदेमंद हो सकता है। इसलिए इस ड्रिंक को वजन घटाने वाली पूरी दिनचर्या का केवल एक हिस्सा मानें, न कि बेली फैट कम करने का अकेला उपाय।

घर पर बनाएं काजू का क्रीमी दही, स्वाद में लगेगा लाजवाब

यूनिक समय, नई दिल्ली। अगर आप वेगन हैं और डेयरी प्रोडक्ट्स का सेवन नहीं करते हैं, लेकिन दही खाने का मन कर रहा है, तो परेशान होने की जरूरत नहीं है। आप घर पर ही काजू की मदद से स्वादिष्ट और क्रीमी वेगन दही तैयार कर सकते हैं।

इसे बनाना काफी आसान है और इसके लिए आपको ज्यादा सामग्री की भी जरूरत नहीं पड़ेगी। काजू का दही तैयार करने के लिए 75 ग्राम काजू, 3 ग्राम अगर-अगर और एक बड़ा चम्मच मूंगफली का दही चाहिए।

सबसे पहले काजू को 6-8 घंटे के लिए पानी में भिगो दें। इसके बाद इन्हें अच्छी तरह धोकर ब्लेंडर में डालें और आधा कप पानी मिलाकर एकदम स्मूद पेस्ट तैयार कर लें। अब एक पैन में 150 एमएल पानी गर्म करें। पानी उबलने लगे तो इसमें अगर-अगर डालकर 1-2 मिनट तक लगातार चलाएं, जब तक यह पूरी तरह घुल न जाए। इसके बाद इसमें काजू का पेस्ट डालकर अच्छी तरह मिलाएं।

अब इस मिश्रण में करीब 600 एमएल पानी डालें और लगभग 5 मिनट तक लगातार चलाते रहें। उबाल आने के बाद गैस बंद कर दें और मिश्रण को थोड़ा ठंडा होने दें। जब यह हल्का गर्म रह जाए, तब इसमें एक बड़ा चम्मच मूंगफली का दही डालकर अच्छी तरह मिक्स करें।

इसके बाद तैयार मिश्रण को एक बड़े बाउल में निकालें और गर्म जगह पर 6-8 घंटे के लिए फर्मेंट होने दें। तय समय बाद दही जम जाएगा। अब इसे ठंडा करने के लिए फ्रिज में रख दें। ठंडा होने के बाद आपका क्रीमी और स्वादिष्ट काजू का वेगन दही तैयार है। इसे आप अपनी पसंद के अनुसार खाने के साथ या अलग से भी परोस सकते हैं।

भारत में सबसे पहले यहां दिखता है सूर्योदय, खूबसूरत डोंग वैली को ट्रैवल में करें शामिल

यूनिक समय, नई दिल्ली। अगर आपको प्रकृति के बीच सूर्योदय देखना पसंद है, तो अरुणाचल प्रदेश की डोंग वैली आपकी ट्रैवल बकेट लिस्ट में जरूर होनी चाहिए। घने जंगल, ऊंचे पहाड़, हरी-भरी घाटियां और लोहित नदी के आसपास का खूबसूरत नजारा इस जगह को बेहद खास बनाता है। खास बात यह है कि डोंग वैली को भारत में सबसे पहले सूर्योदय देखने वाली जगहों में गिना जाता है।

कहां स्थित है डोंग वैली: डोंग वैली अरुणाचल प्रदेश के अंजॉ जिले में डोंग गांव के पास स्थित है। यह वालोंग के नजदीक और लोहित नदी के किनारे बसी हुई है। यहां सूर्योदय देखने के लिए देशभर से पर्यटक पहुंचते हैं। साल 1999 के आसपास डोंग को भारत में सबसे पहले सूर्योदय दिखाई देने वाली जगह के तौर पर पहचान मिली। इसके बाद 1 जनवरी 2000 के सूर्योदय को देखने के लिए भी बड़ी संख्या में लोग यहां पहुंचे थे।

सनराइज देखने के लिए करनी होगी ट्रैकिंग: डोंग वैली में सूर्योदय का शानदार नजारा देखने के लिए आपको थोड़ा एडवेंचर भी करना पड़ेगा। यहां एक व्यू प्वाइंट तक पैदल ट्रैकिंग करनी होती है। सुबह-सुबह पहाड़ी रास्तों से गुजरते हुए जब सूरज की पहली किरणें घाटी और पहाड़ों पर पड़ती हैं, तो नजारा बेहद खूबसूरत दिखाई देता है। ट्रैकिंग के दौरान घने जंगल और हरियाली आपका सफर और यादगार बना देते हैं।

हालांकि, सूर्योदय का समय मौसम और मौसम के हिसाब से बदल सकता है। इसलिए यात्रा से पहले स्थानीय लोगों या अनुभवी गाइड से रास्ते और सूर्योदय के समय की जानकारी लेना बेहतर रहेगा।

हो चुका है सनराइज फेस्टिवल: डोंग वैली को पर्यटन के नक्शे पर और लोकप्रिय बनाने के लिए अरुणाचल प्रदेश सरकार ने 29 दिसंबर 2025 से 2 जनवरी 2026 तक पहली बार सनराइज फेस्टिवल का आयोजन किया था। इसमें सनराइज ट्रेक के अलावा सांस्कृतिक कार्यक्रम, हैंडीक्राफ्ट और कई आउटडोर एक्टिविटीज आयोजित की गई थीं।

कैसे पहुंचें डोंग वैली: डोंग वैली पहुंचने के लिए हवाई, रेल और सड़क मार्ग का विकल्प मौजूद है। फ्लाइट से जाने पर असम का डिब्रूगढ़ एयरपोर्ट नजदीकी प्रमुख एयरपोर्ट है। इसके बाद सड़क मार्ग से आगे जाना पड़ता है। ट्रेन से यात्रा करने वालों के लिए न्यू तिनसुकिया जंक्शन प्रमुख विकल्प है। सड़क मार्ग से तिनसुकिया, तेजू, हयूलियांग और वालोंग होते हुए डोंग वैली तक पहुंचा जा सकता है। अगर आप प्रकृति, एडवेंचर और अनोखे सनराइज का अनुभव लेना चाहते हैं, तो यह जगह आपकी अगली यात्रा के लिए शानदार विकल्प हो सकती है।

सुविचार

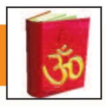

"अपने सपनों को इतना मजबूत बनाओ कि परिस्थितियां भी उनके सामने कमजोर पड़ जाएं।
— निदा फ़ाज़ली

कल का पंचांग

तिथि	पूर्णिमा	09:09-09:48 तक	पक्ष	शुक्ल पक्ष
नक्षत्र	शतभिषा	02:15-03:13 तक	माह	श्रावण
सूर्योदय		6:07 AM	चन्द्रोदय	06:23 PM
सूर्यास्त		6:49 PM	चंद्रास्त	05:08 AM
सूर्य राशि		सिंह राशि	चंद्र	कुंभ राशि
शुभ मुहूर्त		11:58AM –12:46 PM	ब्रहम् मुहूर्त	04:19-05:07
त्योहार/व्रत			विक्रम संवत्	2083
राहुकाल		02:03 PM: 03:38 PM	वार	शुक्रवार

ब्रज के मंदिरों के दर्शन

ब्रज की सभी कथा और श्री राधा कृष्ण की सभी लीलाओं के दर्शन यूनिक समय चैनल के माध्यम से करें।

Youtube Channel : https://youtube.com/uniquesamay

रक्षाबंधन पर तिलक, अक्षत के बाद राखी बांधने की है परंपरा

यूनिक समय, मथुरा। रक्षाबंधन भाई–बहन के स्नेह और विश्वास का त्योहार है। इस दिन बहन भाई की कलाई पर राखी बांधकर उसकी सुख–समृद्धि, अच्छे स्वास्थ्य और लंबी उम्र की कामना करती है। हालांकि कई घरों में यह सवाल जरूर उठता है कि राखी बांधने से पहले तिलक किया जाए या पहले राखी बांधी जाए। धार्मिक परंपराओं के अनुसार सामान्य तौर पर पहले तिलक और अक्षत लगाए जाते हैं, इसके बाद राखी बांधी जाती है।

रक्षाबंधन की पूजा के लिए सबसे पहले थाली तैयार करें। इसमें राखी, रोली या कुमकुम, अक्षत, दीपक, मिठाई और आरती की सामग्री रखी जा सकती है। चाहें तो थाली को फूलों और रंगोली से भी सजा सकते हैं।

MANNAT
GROUP
Building Your Vision, Creating Reality

पूजा के समय भाई को साफ आसन पर बैठाएं। बहन सबसे पहले उसके माथे पर रोली या कुमकुम से तिलक लगाए।

इसके बाद तिलक के ऊपर अक्षत लगाए जाते हैं। धार्मिक मान्यताओं में अक्षत को पूर्णता और मंगल का प्रतीक माना जाता है।

तिलक और अक्षत के बाद भाई की दाहिनी कलाई पर राखी बांधी जाती है। इस दौरान बहन भाई की सुख–समृद्धि और दीर्घायु की कामना करती है। राखी बांधने के बाद भाई की आरती उतारी जाती है और उसे मिठाई खिलाई जाती है।

रक्षाबंधन की रस्म केवल राखी बांधने तक सीमित नहीं है। राखी के बाद भाई अपनी बहन को उपहार देकर स्नेह प्रकट करता है। बहन भी भाई के उज्ज्वल भविष्य और खुशहाल जीवन की कामना करती है।

राखी बांधते समय कुछ छोटी सावधानियां भी रखनी चाहिए। राखी न तो बहुत ढीली हो और न ही इतनी कसकर बांधी जाए कि कलाई पर दबाव पड़े। पूजा की सभी सामग्री साफ–सुथरी होनी चाहिए। दीपक जलाते समय विशेष सावधानी रखें।

थाली सजाने से लेकर आरती तक जानिए पूरी विधि

पहले तिलक–अक्षत, फिर दाहिनी कलाई पर राखी

आरती के बाद मिठाई, भाई देगा बहन को उपहार

हालांकि परिवारों और क्षेत्रों के अनुसार पूजा की परंपरा में थोड़ा अंतर हो सकता है। इसलिए घर में चली आ रही मान्यता का सम्मान करते हुए विधि पूरी करना भी उचित माना जाता है। रक्षाबंधन की असली खूबसूरती आखिर रस्मों से ज्यादा भाई–बहन के अटूट प्रेम और विश्वास में है।

मंदिर खुलने व बंद होने का समय

■ श्रीबांके बिहारीजी मंदिर में सुबह 8.00 से दोपहर 01.30 बजे तक और शाम 4.00 से रात 9.00 बजे तक।

■ श्रीकृष्ण जन्मभूमि में श्री गर्भगृह के दर्शन सुबह 6.30 बजे से रात 9 बजे तक।

■ श्रीकृष्ण जन्मभूमि के भागवत भवन व अन्य मंदिर में सुबह 6.30 बजे से दोपहर 12 बजे तक और शाम 4 बजे से रात 9 बजे तक।

■ द्वारकाधीश मंदिर में सुबह 6.30 बजे से 11 बजे तक और शाम 4 बजे से 7.30 बजे तक।

भाई न हो तो इष्टदेव को बांधें राखी

यूनिक समय, मथुरा। रक्षाबंधन इस बार 28 अगस्त, शुक्रवार को मनाया जाएगा। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार इस दिन बहनें भाई की कलाई पर राखी बांधकर उसके सुख, स्वास्थ्य और लंबी उम्र की कामना करती हैं। रक्षासूत्र बांधते समय मंत्र बोलने की भी परंपरा है। मान्यता है कि मंत्रोच्चार के साथ बांधा गया सूत्र सुरक्षा और शुभता का प्रतीक होता है।

जिन महिलाओं का भाई नहीं है, वे रक्षाबंधन पर अपने इष्टदेव को रक्षासूत्र बांध सकती हैं।

भगवान गणेश, श्रीकृष्ण, श्रीराम, शिव, हनुमान जी या देवी दुर्गा को राखी अर्पित कर अपनी श्रद्धा प्रकट की जा सकती है। पुरुष भी अपने आराध्य को रक्षासूत्र बांधकर सुख–शांति और रक्षा की प्रार्थना कर सकते हैं। यदि बाजार की राखी उपलब्ध न हो

तो रेशमी धागे या पूजा में इस्तेमाल होने वाले लाल धागे को रक्षासूत्र के रूप में बांधा जा सकता है। कुछ भी उपलब्ध न होने पर तिलक लगाकर शुभकामना देना भी पर्याप्त माना जाता है। रक्षासूत्र बांधते समय राजा बलि से जुड़ा मंत्र बोलने की परंपरा है–

"येन बद्धो बली राजा दानवेन्द्रो महाबलः।
तेन त्वामनुबध्नामि रक्षे मा चल मा चल।।''

धार्मिक मान्यता है कि इस मंत्र के माध्यम से रक्षासूत्र धारण

रक्षाबंधन पर रक्षासूत्र बांधने की है पुरानी परंपरा

राखी बांधते समय बोलें राजा बलि वाला मंत्र

करने वाले व्यक्ति की सुरक्षा और मंगल की कामना की जाती है।

रक्षाबंधन से जुड़ी पौराणिक कथा राजा बलि और भगवान विष्णु से भी जुड़ी है।

मान्यता के अनुसार देवी लक्ष्मी ने राजा बलि को रक्षासूत्र बांधकर अपना भाई बनाया था और उनसे भगवान विष्णु को वैकुंठ लौटने देने का आग्रह किया था। इसी कारण रक्षासूत्र को केवल भाई–बहन के रिश्ते तक सीमित न मानकर स्नेह, विश्वास और रक्षा का प्रतीक माना जाता है।

सावन पूर्णिमा पर जनेऊ बदलना, कर्तव्यों का संकल्प

यूनिक समय, मथुरा। सावन पूर्णिमा यानी रक्षाबंधन मनाया जाएगा। श्रावणी पूर्णिमा के नाम से भी प्रसिद्ध यह दिन राखी बांधने के साथ जनेऊ बदलने के लिए भी महत्वपूर्ण माना जाता है। ब्राह्मण परिवारों में इस दिन यज्ञोपवीत बदलने की परंपरा है, जिसे श्रावणी उपाकर्म कहा जाता है। धार्मिक मान्यता के अनुसार यह केवल धागा बदलना नहीं, बल्कि आत्मशुद्धि, संस्कार और कर्तव्यों को याद करने का अवसर है।

जनेऊ सामान्यतः तीन धागों से बनी होती है। इन्हें सत्व, रज और तम तीन गुणों, भूत–वर्तमान–भविष्य तीन कालों तथा ब्रह्मा, विष्णु और महेश से जोड़ा जाता है।

इन्हें देव, ऋषि और पितृ ऋण का प्रतीक भी माना गया है। जनेऊ धारण करने वाला व्यक्ति इन जिम्मेदारियों को निभाने का संकल्प

जनेऊ के तीन धागे जीवन के तीन ऋण बताते हैं

उपाकर्म देता है आत्मशुद्धि और अनुशासन का संदेश

लेता है।

सावन पूर्णिमा पर पुरानी जनेऊ उतारकर विधि–विधान से नई यज्ञोपवीत धारण की जाती है। इसे बीती गलतियों से सीखने और नए संकल्प लेने का अवसर माना जाता है। देव ऋण पूजा और प्रकृति के सम्मान, ऋषि ऋण ज्ञान अर्जन व गुरु सम्मान तथा पितृ ऋण माता–पिता और पूर्वजों के प्रति कर्तव्य निभाने से जुड़ा है। इस तरह जनेऊ व्यक्ति को संयम, शुद्धता, जिम्मेदारी और अनुशासन का निरंतर स्मरण कराती है।

कल का राशिफल

मेषः कार्यक्षेत्र में नई जिम्मेदारी मिलेगी, आर्थिक स्थिति सुधरेगी। परिवार में प्रसन्नता रहेगी, पुराने मित्र से महत्वपूर्ण सहयोग मिलने की संभावना है।

वृषभः धन संबंधी मामलों में सावधानी रखें। नौकरी में सफलता मिलेगी, परिवार के साथ समय बिताने से मन प्रसन्न रहेगा।

मिथुनः व्यापार में लाभ के अवसर मिलेंगे। रुका काम पूरा होगा, स्वास्थ्य सामान्य रहेगा।

कर्कः नौकरी में अधिकारियों का सहयोग मिलेगा। आर्थिक लाभ होगा, परिवार में धार्मिक माहौल बनेगा और मन में शांति बनी रहेगी।

सिंहः मेहनत का अच्छा परिणाम मिलेगा। व्यापार में नई योजना सफल होगी, जीवनसाथी का सहयोग मिलेगा।

कन्याः कार्यस्थल पर नई जिम्मेदारी मिलेगी। धन लाभ संभव है, परिवार में किसी सदस्य से महत्वपूर्ण और सुखद समाचार मिलेगा।

तुलाः व्यापार में लाभ मिलेगा और नई साझेदारी बन सकती है। स्वास्थ्य बेहतर रहेगा।

वृश्चिकः अचानक धन लाभ हो सकता है। नौकरी में तरक्की के अवसर मिलेंगे, हालांकि खर्चों पर नियंत्रण रखना आपके लिए जरूरी होगा।

धनुः रुके हुए काम पूरे होंगे। यात्रा लाभदायक रहेगी, व्यापार में फायदा मिलेगा और परिवार का पूरा सहयोग आपको मिलेगा।

मकरः कार्यक्षेत्र में सफलता मिलेगी। आर्थिक स्थिति मजबूत होगी, निवेश में लाभ संभव है और घर में सुख–शांति बनी रहेगी ।

कुंभः नई योजनाओं पर काम शुरू करेंगे। नौकरी में अवसर मिलेंगे, मित्रों से सहयोग मिलेगा।

मीनः व्यापार में अच्छा लाभ होगा। परिवार में खुशियां आएंगी, किसी पुराने विवाद का समाधान होगा और मन प्रसन्न रहेगा।

रक्षाबंधन पर उपहार में बहन की पसंद को दें प्राथमिकता

यूनिक समय, मथुरा। रक्षाबंधन भाई–बहन के स्नेह, विश्वास और अपनत्व का त्योहार है। इस दिन बहन भाई की कलाई पर राखी बांधती है, वहीं भाई उसके प्रति अपने प्रेम का इजहार करते हुए उपहार देता है। बदलते समय में उपहार केवल रस्म नहीं, बल्कि भावनाएं जताने का खूबसूरत माध्यम बन गया है। हालांकि, धार्मिक और ज्योतिषीय मान्यताओं में कुछ वस्तुओं को शुभ अवसरों पर देने से बचने की सलाह दी जाती है।

रक्षाबंधन पर बहन को काले रंग के कपड़े, आभूषण या अन्य वस्तुएं देने से कुछ परिवार बचते हैं। मान्यता है कि काला रंग नकारात्मकता से जुड़ा माना जाता है और शुभ अवसर पर इसका प्रयोग नहीं करना चाहिए। हालांकि, यह

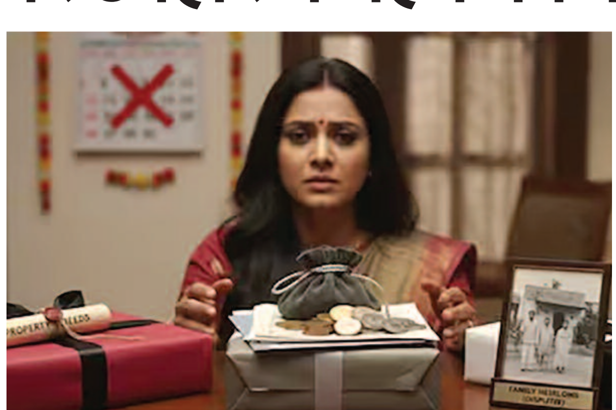

धार्मिक मान्यता है, कोई वैज्ञानिक तथ्य नहीं। अगर बहन को काला रंग पसंद है तो उसकी पसंद को महत्व देना अधिक जरूरी है।

चाकू, कैंची या अन्य धारदार वस्तुएं भी रक्षाबंधन के उपहारों की सूची से बाहर रखने की परंपरा कुछ परिवारों में है। मान्यता के अनुसार धारदार वस्तुएं रिश्तों में कटाव या तनाव का प्रतीक मानी जाती हैं। इसलिए भाई

रक्षाबंधन पर उपहार चुनें, इन तीन चीजों से बचें

काली वस्तु, धारदार सामान और रुमाल देने से बचने की मान्यता

अपनी बहन को किताब, कपड़े, आभूषण, पौधा, बैग या उसकी पसंद की कोई उपयोगी वस्तु दे सकता है।

रुमाल को लेकर भी एक दिलचस्प मान्यता प्रचलित है। कुछ लोग इसे आंसुओं और भावनात्मक दूरी का प्रतीक मानते हैं।

इसलिए रक्षाबंधन जैसे शुभ अवसर पर बहन को रुमाल देने से बचने की सलाह दी जाती है। हालांकि इसका कोई वैज्ञानिक आधार नहीं है और यह पूरी तरह पारंपरिक विश्वास है।

रक्षाबंधन का असली महत्व उपहार की कीमत नहीं, बल्कि भावना है। बहन को किताब, पसंदीदा परिधान, आभूषण, सौंदर्य सामग्री, पौधा, मिठाई या उसकी जरूरत की कोई वस्तु दी जा सकती है। आखिरकार ऐसा उपहार सबसे खास होता है, जिसे देखकर बहन कहे–"भैया, तुम्हें मेरी पसंद अब भी याद है!"

काले रंग, धारदार वस्तुओं और रुमाल से जुड़ी बातें धार्मिक एवं पारंपरिक मान्यताओं पर आधारित हैं; इन्हें वैज्ञानिक रूप से अशुभ सिद्ध नहीं किया गया है।

सम्पादकीय

रीलों के डॉक्टरों से बचिए, इलाज असली डॉक्टरों से कराइए

सोशल मीडिया की दुनिया भी कमाल है। यहां डॉक्टर बनने के लिए न डिग्री चाहिए, न अस्पताल, न मरीज और न ही चिकित्सा का ज्ञान। बस एक चमकदार चेहरा, सफेद कोट, गले में आला और पीछे अस्पताल जैसा दृश्य चाहिए। बाकी काम कृत्रिम बुद्धिमत्ता कर देती है। अब तो दादी अम्मा भी बता रही हैं कि कौन–सी पत्ती चबाने से मधुमेह ठीक होगा और कौन–सा नुस्खा दो सप्ताह में चश्मा उतरवा देगा।

मुसीबत यह है कि इन नकली चिकित्सकों की आवाज में इतना आत्मविश्वास होता है कि असली डॉक्टर भी शायद अपनी डिग्री देखकर दो मिनट सोचने लगें। बीमारी वर्षों पुरानी हो सकती है, लेकिन इलाज रील में तीस सेकंड का है। दवा की जगह घरेलू नुस्खा, जांच की जगह टिप्पणी और चिकित्सक की जगह अनुयायियों की संख्या–स्वास्थ्य सलाह का नया गणित तैयार हो गया है।

पवन गौतम
संपादक

विडंबना देखिए, लोग किराने की दुकान से साबुन खरीदते समय भी उसकी कीमत, गुणवत्ता और निर्माण तिथि देखते हैं, लेकिन चेहरे पर लगाने वाली क्रीम या खाने वाली औषधि केवल इसलिए खरीद लेते हैं क्योंकि किसी नकली चिकित्सक ने वीडियो में मुस्कुराकर उसे चमत्कारी बता दिया।

स्कैन करें
संपादकीय सुनने के लिए मोबाइल से QR कोड को स्कैन करें।

सबसे खतरनाक बात यह है कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता अब केवल काल्पनिक चेहरे नहीं बना रही, बल्कि असली चिकित्सकों की आवाज और चेहरे की नकल भी कर सकती है। यानी कल को कोई चिकित्सक यह कहता दिखाई दे सकता है कि सुबह उठकर मोबाइल चार्जर पी जाइए और लोग सचमुच सलाह मान लें!

स्वास्थ्य कोई मनोरंजन का विषय नहीं है। गलत सलाह से एलर्जी, दवा के दुष्प्रभाव, बीमारी बढ़ने और गंभीर नुकसान तक की स्थिति बन सकती है। इसलिए किसी रील को देखकर इलाज शुरू करना वैसा ही है जैसे नक्शा देखे बिना अंधेरे में यात्रा शुरू कर देना।

कृत्रिम बुद्धिमत्ता से बने वीडियो पर रोक और पहचान की व्यवस्था जरूरी है, लेकिन उससे पहले हमारी समझदारी जरूरी है। चिकित्सक की पहचान, उसकी योग्यता, चिकित्सा संस्थान और विश्वसनीय स्रोत की जांच करना कोई कठिन काम नहीं। रील मनोरंजन के लिए अच्छी है, इलाज के लिए नहीं। बीमारी हो तो अंगूठा नहीं, चिकित्सक खोजिए। आखिर जिंदगी को 'लाइक' और 'फॉलो' के भरोसे चलाना समझदारी नहीं, खतरनाक लापरवाही है।

नजरिया

विकसित भारत का सपना, स्कूल में छत ढूंढता बच्चा!

बोध प्रकाश सगुणी

भारत 2047 तक विकसित राष्ट्र बनने का सपना देख रहा है। अंतरिक्ष में पहुंच रहा है, दुनिया की बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में अपनी जगह बना रहा है, नई सड़कें बन रही हैं और हर हाथ में मोबाइल पहुंच चुका है। बस एक छोटी–सी समस्या है–देश के कुछ बच्चे अभी भी यह तय नहीं कर पा रहे कि आज पढ़ाई छत के नीचे होगी या छत से टपकते पानी के नीचे!

विडंबना देखिए, हम विश्वस्तरीय विश्वविद्यालयों, आईआईटी, आईआईएम और अत्याधुनिक शिक्षण संस्थानों की चर्चा बड़े गर्व से करते हैं। दूसरी तरफ गांव का बच्चा जर्जर भवन में बैठकर यह सीख रहा है कि बरसात में किताब बचाने की कला क्या होती है। कहीं शिक्षक एक है और कक्षाएं पांच। यानी शिक्षक महोदय सुबह आते ही गणित, विज्ञान, हिंदी, अंग्रेजी और शायद प्रार्थना सभा–सबके विशेषज्ञ बन जाते हैं। अगर समय बच गया तो प्रशासनिक काम भी कर लेते हैं। आखिर सरकारी शिक्षक हैं, सुपरमैन थोड़े ही हैं!

यूडीआईएसई प्लस 2024–25 के आंकड़े बताते हैं कि देश में 1,04,125 स्कूल ऐसे हैं जहां केवल एक शिक्षक कार्यरत है और इनमें करीब 33.77 लाख विद्यार्थी पढ़ते हैं। सवाल यह नहीं कि एक शिक्षक इतने बच्चों को कैसे पढ़ाता होगा। असली सवाल यह है कि व्यवस्था ने उसे ऐसा करने के लिए छोड़ा ही क्यों?

कल्पना कीजिए–एक शिक्षक के सामने पांच कक्षाएं हैं। पहली कक्षा में बच्चा 'क' से कबूतर सीख रहा है, दूसरी में जोड़–घटाना, तीसरी में भारत का इतिहास, चौथी में विज्ञान और पांचवीं में परीक्षा की तैयारी। शिक्षक यदि पहली कक्षा में गया तो पांचवीं नाराज, पांचवीं में गया तो पहली उदास और बीच में प्रधानाचार्य का कोई जरूरी कागज आ गया तो पूरा विद्यालय लोकतांत्रिक ढंग से स्वतंत्र!

यह केवल शिक्षकों की कमी की कहानी नहीं है। कहीं भवन जर्जर है, कहीं पानी नहीं, कहीं शौचालय नहीं, कहीं बिजली–पंखे नहीं। और हम बच्चों से कहते हैं कि मन लगाकर पढ़ो। बच्चा भी सोचता होगा–पहले आप यह तय कर दीजिए कि मेरा विद्यालय सुरक्षित है या नहीं, फिर मैं देश को विकसित बनाने की तैयारी करता हूं।

उत्तर प्रदेश के कई जिलों में विद्यार्थियों को बुनियादी सुविधाओं के लिए प्रदर्शन तक करना पड़ा। फतेहपुर में करीब एक हजार विद्यार्थियों ने जर्जर कक्षाओं, रिसती छतों और सुरक्षित पेयजल जैसी सुविधाओं को लेकर आवाज उठाई। यह दृश्य लोकतंत्र के लिए भले ही अच्छी खबर हो कि बच्चे अपने अधिकार मांगना जानते हैं, लेकिन शिक्षा व्यवस्था के लिए यह शर्म की खबर है कि बच्चों को अपनी कक्षा की छत के लिए सड़क पर उतरना पड़ रहा है। सरकारें योजनाएं बनाती हैं, बजट देती हैं, समितियां गठित होती हैं, निरीक्षण होते हैं और बैठकें भी होती हैं। फिर भी एक लाख से अधिक स्कूल एक शिक्षक के भरोसे कैसे चलते रहे? शायद हमारे सरकारी तंत्र में एक अद्भुत क्षमता है–बैठकें बहुत तेजी से होती हैं, लेकिन समस्या धीरे–धीरे ठीक होती है।

निश्चित रूप से तस्वीर पूरी तरह निराशाजनक नहीं है। एकल शिक्षक वाले स्कूलों की संख्या 2023–24 के 1,10,971 से घटकर 2024–25 में 1,04,125 हुई है। कंप्यूटर सुविधा वाले स्कूलों का अनुपात भी बढ़ा है। लेकिन शिक्षा में केवल कंप्यूटर पहुंच जाने से क्रांति नहीं आती। कंप्यूटर कक्षा में रख दिया और शिक्षक नहीं है तो कंप्यूटर भी शायद यही सोचता होगा–"मुझे पढ़ाएगा कौन?" सरकारी स्कूलों की संख्या में कमी और निजी स्कूलों की बढ़ती संख्या भी गंभीर संकेत है। अभिभावक अपनी सीमित आय से फीस देकर निजी विद्यालय चुन रहे हैं।

आखिर क्यों? इसलिए कि वे केवल भवन नहीं खरीद रहे, वे नियमित पढ़ाई, अनुशासन, संवाद और बेहतर सीखने की उम्मीद खरीद रहे हैं। सरकारी विद्यालय यदि यह भरोसा वापस नहीं ला पाए तो केवल मुफ्त पुस्तकें, वर्दी और भोजन से शिक्षा की गुणवत्ता का सवाल हल नहीं होगा। सबसे महत्वपूर्ण प्रश्न सीखने के परिणामों का है। नीति आयोग की रिपोर्ट के अनुसार कक्षा तीन में कक्षा दो स्तर का पाठ पढ़ पाने वाले बच्चों का अनुपात सरकारी स्कूलों में 23.4 प्रतिशत रहा, जबकि निजी स्कूलों में यह 35.5 प्रतिशत था। कक्षा पांच में भी सरकारी स्कूल पीछे रहे। इसका मतलब साफ है–बच्चा स्कूल पहुंच रहा है, लेकिन क्या वह वास्तव में सीख भी रहा है, यही असली परीक्षा है। और परीक्षा की बात चली है तो प्रतियोगी परीक्षाओं को कैसे भूलें? कहीं प्रश्नपत्र विवाद, कहीं परीक्षा में अनियमितता, कहीं भर्ती में देरी और कहीं वर्षों से तैयारी कर रहे युवाओं का धैर्य जवाब देता दिखाई देता है। प्राथमिक कक्षा से लेकर प्रतियोगी परीक्षा तक यदि विद्यार्थी को व्यवस्था पर भरोसा करने के बजाय व्यवस्था से लड़ना पड़े, तो विकसित भारत का रास्ता थोड़ा लंबा हो जाता है। सरकारी विद्यालय केवल पढ़ाई की जगह नहीं हैं। वे सामाजिक समानता के सबसे बड़े माध्यम हैं। गरीब, किसान, मजदूर और निम्न आय वाले परिवारों के बच्चों के लिए यही विद्यालय अवसर का दरवाजा हैं। यदि यह दरवाजा कमजोर होगा तो समान अवसर का पूरा विचार कमजोर होगा। इसलिए एक सुझाव पर गंभीरता से विचार होना चाहिए–जनप्रतिनिधियों और वरिष्ठ अधिकारियों के बच्चों को भी सरकारी विद्यालयों की व्यवस्था का अनुभव क्यों न कराया जाए? यह अनिवार्यता हो या प्रोत्साहन, बहस जरूर होनी चाहिए। जिस दिन नीति बनाने वाले माता–पिता स्वयं विद्यालय की टूटी खिड़की, बंद शौचालय, शिक्षक की कमी और खराब व्यवस्था का सामना करेंगे, शायद फाइल में लिखी "व्यवस्था संतोषजनक है" वाली टिप्पणी कुछ ज्यादा ईमानदार हो जाएगी। अब समय है कि सरकारी स्कूलों के लिए व्यापक कायाकल्प अभियान चलाया जाए। हर विद्यालय में पर्याप्त शिक्षक, सुरक्षित भवन, स्वच्छ पानी, बिजली, शौचालय, पुस्तकालय, खेल मैदान और डिजिटल साधन सुनिश्चित हों। उससे भी जरूरी है कि हर साल यह सार्वजनिक हो कि बच्चे वास्तव में कितना सीख पाए।

शिक्षा को केवल विद्यालय में उपस्थिति का आंकड़ा नहीं, सीखने और जीवन बदलने का माध्यम बनाना होगा। क्योंकि विकसित भारत की इमारत ऊंची–ऊंची इमारतों से नहीं, मजबूत दिमागों से बनेगी।

2047 की तस्वीर में यदि भारत को सचमुच विकसित देखना है तो केवल महानगरों के चमकते परिसर नहीं, गांव के उस विद्यालय की तस्वीर भी बदलनी होगी जहां बच्चा आज भी टूटी दीवार के सहारे भविष्य का सपना देख रहा है। वरना खतरा यह है कि हम 2047 में विकसित भारत की घोषणा कर रहे होंगे और कोई बच्चा हाथ उठाकर पूछ रहा होगा–"साहब, विकसित तो देश हो गया, लेकिन हमारा स्कूल कब होगा?"

विचार विंडो

विरोध की आवाज बुलंद हो, मगर शहर बंधक नहीं

राम प्रकाश वर्मा

लोकतंत्र में विरोध केवल अधिकार नहीं, बल्कि व्यवस्था को आईना दिखाने का जरूरी माध्यम भी है। जब शासन–प्रशासन से कोई गलती होती है, किसी वर्ग के साथ अन्याय होता है या जनता की मांग लंबे समय तक अनसुनी रहती है, तब सड़क पर उतरकर आवाज उठाना लोकतांत्रिक प्रक्रिया का हिस्सा बन जाता है। लेकिन सवाल यह है कि विरोध की आवाज इतनी ऊंची भी क्यों हो जाए कि उसके शोर में आम नागरिक की जिंदगी दब जाए? अधिकारों की मांग करते–करते यदि हम दूसरों के अधिकार छीनने लगें तो फिर यह विरोध किसके लिए और किसके खिलाफ है?

दिल्ली उच्च न्यायालय की हालिया टिप्पणी इसी गंभीर सवाल की ओर ध्यान खींचती है। प्रदर्शनकारियों को अपनी बात रखने का अधिकार है, लेकिन किसी शहर को लंबे समय तक ठप कर देना लोकतांत्रिक अधिकार की सीमा में नहीं आ सकता। आखिर सड़क पर चलने वाला हर व्यक्ति किसी आंदोलन का विरोधी नहीं होता। वह मरीज हो सकता है, नौकरी पर जाने वाला कर्मचारी हो सकता है, परीक्षा देने वाला विद्यार्थी हो सकता है या रोज कमाकर परिवार चलाने वाला मजदूर भी हो सकता है।

कल्पना कीजिए, किसी अस्पताल में गंभीर मरीज को तत्काल उपचार की जरूरत है और रास्ता प्रदर्शन के कारण बंद है। एंबुलेंस जाम में फंसी है और भीतर जिंदगी समय से मुकाबला कर रही है। उस समय मरीज के परिजन को यह समझाना कितना मुश्किल होगा कि लोकतंत्र में प्रदर्शन चल रहा है, इसलिए थोड़ा इंतजार कीजिए! लोकतंत्र का उद्देश्य नागरिकों को अधिकार देना है, उन्हें असहाय बनाना नहीं।

विरोध की भी अपनी मर्यादा होती है। शांतिपूर्ण प्रदर्शन, धरना, ज्ञापन और नारेबाजी लोकतांत्रिक तरीके हैं। लेकिन जब बेरिकेड तोड़े जाएं, पत्थरबाजी हो, सरकारी या निजी संपत्ति को नुकसान पहुंचे, आम लोगों को निशाना बनाया जाए या पुलिस से टकराव शुरू हो जाए, तब मामला विरोध से आगे बढ़कर कानून–व्यवस्था की समस्या बन जाता है। इसके बाद यह तर्क देना कि हिंसा करने वाले हमारे लोग नहीं थे, जिम्मेदारी से बचने का रास्ता नहीं हो सकता।

प्रदर्शनकारी संगठनों को यह समझना होगा कि भीड़ में शामिल हर व्यक्ति की जिम्मेदारी समाप्त नहीं हो जाती। आंदोलन का नेतृत्व करने वालों का दायित्व और अधिक बढ़ जाता है। उन्हें यह सुनिश्चित करना चाहिए कि असामाजिक तत्व आंदोलन की आड़ में हिंसा न कर सकें। किसी मांग को मजबूत बनाने के लिए सार्वजनिक संपत्ति तोड़ना वैसा ही है जैसे अपनी बात मनवाने के लिए अपने ही घर की खिड़की तोड़ देना।

दूसरी ओर प्रशासन भी अपनी जिम्मेदारी से बच नहीं सकता। हर प्रदर्शन को केवल कानून–व्यवस्था की चुनौती मानकर कठोरता दिखाना समाधान नहीं है। शांतिपूर्ण प्रदर्शनकारियों के साथ अनावश्यक सख्ती लोकतांत्रिक भावना के विरुद्ध होगी। प्रशासन को पहले से ऐसे स्थान निर्धारित करने चाहिए जहां प्रदर्शनकारी अपनी बात प्रभावी ढंग से रख सकें और आम नागरिकों की आवाजाही भी बाधित न हो। प्रदर्शन की अनुमति, मार्ग, समय और भीड़ की सीमा को लेकर स्पष्ट व्यवस्था होनी चाहिए।

सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि प्रशासन और प्रदर्शनकारी दोनों को एक–दूसरे को दुश्मन समझने की मानसिकता से बाहर आना होगा। पुलिस भी इसी समाज का हिस्सा है। उसका काम व्यवस्था बनाए रखना है, किसी आंदोलन को कुचलना नहीं। लेकिन जब भीड़ कानून हाथ में लेने लगे तो पुलिस से यह उम्मीद करना कि वह हाथ में गुलाब लेकर खड़ी रहेगी, व्यावहारिक नहीं है। हां, पुलिस कार्रवाई भी कानून, संयम और अनुपात के सिद्धांतों के भीतर होनी चाहिए। जयपुर, दिल्ली, रांची या देश के किसी भी दूसरे शहर में हुए प्रदर्शनों को इसी दृष्टि से देखने की जरूरत है। किसी मुद्दे की गंभीरता इस बात से तय नहीं होती कि प्रदर्शन कितना हिंसक हुआ। बल्कि शांतिपूर्ण आंदोलन कई बार हिंसक प्रदर्शन से कहीं अधिक प्रभावशाली होता है। हिंसा मांग को मजबूत नहीं करती, बल्कि मूल मुद्दे को पीछे धकेल देती है। यह भी विचारणीय है कि प्रदर्शन का सबसे ज्यादा असर आखिर किस पर पड़ता है? नेता अपनी गाड़ी में निकल जाते हैं, अधिकारी सुरक्षा घेरे में रहते हैं और आंदोलनकारी अपनी रणनीति के अनुसार लौट जाते हैं। सबसे अधिक परेशानी उस आम आदमी को होती है जो बस पकड़ने निकला था, दुकान खोलने जा रहा था, परीक्षा देने जा रहा था या अस्पताल पहुंचना चाहता था। उसकी गलती केवल इतनी होती है कि उसका घर प्रदर्शन वाले शहर में है। इंटरनेट बंद करने जैसी नौबत आना भी किसी शहर के लिए सामान्य बात नहीं मानी जा सकती। इससे बैंकिंग, व्यापार, शिक्षा, सूचना और रोजमर्रा के जरूरी काम प्रभावित होते हैं। इसलिए प्रशासन को प्रदर्शन से पहले ऐसी व्यवस्था करनी चाहिए कि स्थिति इतनी न बिगड़े कि पूरे शहर को प्रतिबंधों का सामना करना पड़े। लोकतंत्र की खूबसूरती इसी संतुलन में है कि एक व्यक्ति को अपनी बात कहने का अधिकार मिले और दूसरे व्यक्ति का जीवन सामान्य रूप से चलता रहे। प्रदर्शन की ताकत भीड़ की संख्या में नहीं, मुद्दे की गंभीरता और तरीके की शालीनता में होती है। इसलिए प्रदर्शन जरूर करें, सरकार से सवाल जरूर पूछें, अपनी मांगों के लिए संघर्ष जरूर करें, लेकिन लक्ष्मण रेखा को पहचानें। शासन को भी नागरिकों की आवाज सुननी चाहिए और प्रदर्शनकारियों को भी नागरिकों के अधिकारों का सम्मान करना चाहिए। आखिर लोकतंत्र में सड़क सबकी है, शहर सबका है और अधिकार भी सबके हैं। किसी एक की आवाज बुलंद करने के लिए पूरे शहर को बंधक बनाना लोकतंत्र की जीत नहीं, उसकी विडंबना है।

न्यूजीलैंड दौरे के टिकटों की रिकॉर्ड बिक्री

48 घंटे में बिक गए 26 हजार टिकट

यूनिक समय, नई दिल्ली। भारत के आगामी न्यूजीलैंड दौरे को लेकर क्रिकेट प्रशंसकों में जबरदस्त उत्साह देखने को मिल रहा है। दौरे के टिकटों की शुरुआती बिक्री ने नया रिकॉर्ड बनाया है। न्यूजीलैंड क्रिकेट के अनुसार, बिक्री शुरू होने के पहले 48 घंटे में ही 26 हजार टिकट बिक गए। इसे प्री-सेल में अब तक की सबसे बड़ी मांग बताया जा रहा है।

भारतीय टीम का न्यूजीलैंड दौरा 22 अक्टूबर से शुरू होकर एक दिसंबर तक चलेगा। इस दौरान दोनों टीमों के बीच पांच टी-20, पांच वनडे और दो टेस्ट सहित कुल 12 मुकाबले खेले जाएंगे। भारतीय टीम करीब छह साल बाद न्यूजीलैंड में टेस्ट श्रृंखला खेलेगी। पिछली बार दोनों देशों के बीच वहां 2019-20 में टेस्ट मुकाबले हुए थे।

सात सितंबर से आम दर्शकों को मिलेंगे टिकट

ऑकलैंड के ईडन पार्क में होने वाले सीमित ओवरों के मुकाबलों के टिकट सबसे तेजी से बिक रहे हैं। यहां चौथा टी-20 और पहला वनडे खेला जाएगा। क्राइस्टचर्च के हेगले ओवल में भी दर्शकों की भारी मांग है। इसी मैदान पर 22 और 24 अक्टूबर को शुरुआती दो टी-20 मुकाबले होंगे। दौरे का दूसरा टेस्ट भी यहीं 27 नवंबर से एक दिसंबर तक खेला जाएगा।

वेलिंगटन में तीसरा टी-20 और दूसरा वनडे हेनरी स्टेडियम में होगा। वहीं पहला टेस्ट 19 नवंबर से बेसिन रिजर्व में खेला जाएगा।

न्यूजीलैंड क्रिकेट के अधिकारी ग्लेन क्रिचली ने कहा कि शुरुआती बिक्री से प्रशंसकों की उत्सुकता साफ दिखाई दे रही है। भारत के खिलाफ मुकाबलों में दुनिया के बड़े क्रिकेट सितारों को देखने के लिए दर्शक पहले ही अपनी सीट सुरक्षित कर रहे हैं।

आम दर्शकों के लिए टिकट बिक्री सात सितंबर से शुरू होगी। क्रिकेट नेशन के लिए पंजीकरण कराने वाले प्रशंसकों को पहले खरीदारी का अवसर और 15 प्रतिशत छूट मिलेगी। टिकटों की कीमत में इस सत्र कोई बढ़ोतरी नहीं की गई है। समूह में मैच देखने वालों के लिए चार और छह टिकट वाले विशेष पैकेज भी उपलब्ध हैं।

यश की टॉक्सिक के ओटीटी अधिकारों पर बड़ा दावा

235 करोड़ की कथित डील ने बढ़ाई दर्शकों की उत्सुकता

आधिकारिक घोषणा के बाद तय होगी ओटीटी रिलीज तारीख

यूनिक समय, नई दिल्ली। अभिनेता यश की चर्चित फिल्म 'टॉक्सिकः ए फेयरी टेल फॉर ग्रोन-अप्स' सिनेमाघरों में दस्तक देने के बाद अब इसके ओटीटी प्रदर्शन को लेकर चर्चा तेज हो गई है। फिल्म 26 अगस्त को दुनियाभर के सिनेमाघरों में रिलीज हुई है और पहले दिन भारत में 101.10 करोड़ रुपये की शुद्ध कमाई करने का दावा किया गया है।

मीडिया रिपोर्टों के मुताबिक, फिल्म के डिजिटल और उपग्रह प्रसारण अधिकार जी5 ने कथित तौर पर करीब 235 करोड़ रुपये में खरीदे हैं। हालांकि, निर्माताओं या मंच की ओर से इस सौदे की अभी आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है।

फिल्म की आधिकारिक ओटीटी रिलीज तारीख भी घोषित नहीं हुई है। सामान्य तौर पर बड़े बजट की फिल्मों को सिनेमाघरों में प्रदर्शन के बाद कुछ सप्ताह का अंतर दिया जाता है। ऐसे में अनुमान लगाया जा रहा है कि 'टॉक्सिक' अक्टूबर के अंत तक ओटीटी पर आ सकती है।

गीतू मोहनदास के निर्देशन में बनी इस फिल्म में यश के साथ नयनतारा, कियारा आडवाणी, हुमा कुरैशी, तारा सुतारिया और रुक्मिणी वसंत प्रमुख भूमिकाओं में हैं।

फिल्म में यश दोहरी भूमिका में नजर आ रहे हैं।

मोदी ने खेलों में भागीदारी बढ़ाने पर दिया जोर

यूनिक समय, नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को खेलो इंडिया संवाद कार्यक्रम में युवाओं और खिलाड़ियों से संवाद करते हुए भारत की ओलंपिक भागीदारी बढ़ाने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि ओलंपिक के 20 से अधिक खेलों में भारत की भागीदारी अभी नहीं है। वर्ष 2036 के ओलंपिक को ध्यान में रखते हुए प्रतिभावान खिलाड़ियों को अभी से तैयार करने की जरूरत है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि देश के हर जिले में खेल प्रतिभाएं मौजूद हैं। भारत को नए खेलों में भी अपनी उपस्थिति मजबूत करनी होगी।

उन्होंने युवाओं से खेलों को जीवन का हिस्सा बनाने की अपील करते हुए कहा कि आज की पीढ़ी को स्क्रीन से ज्यादा खेल मैदान और खेल केंद्रों की जरूरत है।

मोदी ने कहा कि खेल केवल पदक जीतने का माध्यम नहीं, बल्कि स्वस्थ समाज और मजबूत परिवार बनाने का जरिया भी हैं। खेल युवाओं में अनुशासन, प्रतिस्पर्धा और आत्मविश्वास बढ़ाते हैं। उन्होंने पैरा खिलाड़ियों की उपलब्धियों को भी प्रेरणादायक बताया।

2036 ओलंपिक के लिए अभी से खिलाड़ी तैयार करें

युवाओं को स्क्रीन से ज्यादा मैदान चाहिए

कार्यक्रम में खेल मंत्री मनसुख मांडविया और कई दिग्गज खिलाड़ी शामिल हुए। प्रधानमंत्री ने कहा कि सरकार देश में मजबूत खेल व्यवस्था विकसित करने के लिए लगातार काम कर रही है। युवाओं के सुझावों से खेल क्षेत्र को नई दिशा मिलेगी। उन्होंने कहा कि वर्ष 2036 के लिए भारत को अभी से दीर्घकालिक तैयारी शुरू करनी होगी।

अंकित बालियान ने हत्या से पहले गाया था गाना

यूनिक समय, नई दिल्ली। हरियाणवी गायक अंकित बालियान की हत्या के बाद उनकी आखिरी रील चर्चा में है। 26 अगस्त की शाम जिम से निकलते समय बदमाशों ने गोली मारकर उनकी हत्या कर दी। इससे करीब एक-दो घंटे पहले अंकित ने सामाजिक माध्यम पर एक रील साझा की थी, जिसमें वह गाना गाते नजर आए थे। गाने की पंक्ति 'मर्डर मार दे सड़क के ऊपर' थी। हत्या के बाद जब प्रशंसकों ने यह रील देखी तो वे हैरान रह गए। उन्हें गाने के बोल और वारदात के बीच अजीब संयोग नजर आया। पुलिस मामले की जांच कर रही है और हमलावरों की पहचान के लिए आसपास के सीसीटीवी खंगाले जा रहे हैं। हत्या का कारण अभी स्पष्ट नहीं हुआ है।

'आवारा अंगारा' के दर्दभरे बोलों ने मचाई धूम

यूनिक समय, नई दिल्ली। फिल्म 'तेरे इश्क में' का भावुक गीत 'आवारा अंगारा' इन दिनों संगीत प्रेमियों के बीच चर्चा का विषय बना हुआ है। एआर रहमान के संगीत, इरशाद कामिल के दर्दभरे बोल और फहीम अब्दुल्ला की आवाज ने गीत को खास बना दिया है। गीत के दृश्य कहानी के सबसे भावुक मोड़ को दिखाते हैं। एक ओर धनुष अपने पिता की अर्थी उठाते नजर आते हैं, वहीं दूसरी ओर कृति सैनन दुल्हन के रूप में दिखाई देती हैं। यह विरोधाभासी दृश्य प्रेम, बिछड़ने और टूटे रिश्ते का दर्द उभारता है। फिल्म में धनुष ने शंकर की भूमिका निभाई है, जो प्रेम के लिए किसी भी हद तक जाने को तैयार है। कृति सैनन उनके साथ मुक्ति के किरदार में हैं। गीत में धनुष के चेहरे का गुस्सा और आंखों का दर्द दर्शकों को भावुक कर देता है। 'आवारा अंगारा' को दर्शकों की शानदार प्रतिक्रिया मिल रही है और यह तेजी से लोकप्रिय हो रहा है।

धनुष के अभिनय ने गाने में भर दिया दर्द

मां बनने के बाद बदला कैटरीना का अंदाज, हुई ट्रोलिंग

बढ़े वजन को लेकर कुछ लोगों ने किए आपत्तिजनक कमेंट

यूनिक समय, नई दिल्ली। अभिनेत्री कैटरीना कैफ मां बनने के बाद पहली बार सार्वजनिक रूप से नजर आईं, लेकिन उनकी वापसी खुशी से ज्यादा सामाजिक माध्यमों पर हुई ट्रोलिंग के कारण चर्चा में आ गई। कैटरीना अपने पति विक्की कौशल के साथ फिल्म निर्माता कुकू कोहली के अंतिम संस्कार में पहुंची थीं।

इस दौरान उनका बदला हुआ रूप और बढ़ा वजन कैमरे में कैद हो गया। तस्वीरें और वीडियो सामने आते ही कुछ लोगों ने उनके शरीर को लेकर आपत्तिजनक टिप्पणियां शुरू कर दीं। एक व्यक्ति ने तो उनके रूप की तुलना रसगुल्ले से तक कर दी।

कैटरीना ने सात नवंबर 2025 को बेटे को जन्म दिया था। इसके बाद से वह काफी हद तक सार्वजनिक गतिविधियों से दूर रही हैं। हालांकि, सामाजिक माध्यमों के जरिए वह प्रशंसकों से जुड़ी रहती हैं। मां बनने के बाद शरीर में बदलाव स्वाभाविक है, फिर भी अभिनेत्री को लेकर की गई टिप्पणियों ने इंटरनेट पर बहस छेड़ दी है।

अक्टूबर में होगी राणाबाली की दस्तक, यामी से भिड़ेंगे विजय

यूनिक समय, नई दिल्ली। विजय देवरकोंडा और रश्मिका मंदाना की बहुप्रतीक्षित ऐतिहासिक फिल्म 'राणाबाली' की रिलीज तारीख बदल दी गई है। पहले यह फिल्म 11 सितंबर 2026 को सिनेमाघरों में आने वाली थी, लेकिन अब निर्माताओं ने इसकी नई तारीख 16 अक्टूबर 2026 तय की है। राहुल सांकृत्यायन के निर्देशन में बनी इस फिल्म में विजय और रश्मिका पहली बार शादी के बाद साथ नजर आएंगे।

खास बात यह है कि 16 अक्टूबर को ही यामी गौतम की फिल्म 'नयी नवेली' भी रिलीज होगी। ऐसे में दोनों फिल्मों के बीच बॉक्स ऑफिस पर सीधा मुकाबला देखने को मिलेगा। 'राणाबाली' तेलुगु और तमिल भाषाओं में तैयार की गई है। नए पोस्टर में विजय बेहद आक्रामक अंदाज में नजर आ रहे हैं, जिससे फिल्म को लेकर दर्शकों का उत्साह और बढ़ गया है।

फिल्म का निर्माण मैत्री मूवी मेकर्स और टी-सीरीज के सहयोग से किया जा रहा है। विजय और रश्मिका के अलावा अर्नोल्ड वोसलू भी अहम भूमिका में दिखाई देंगे।

सहवाग-द्रविड़ के बेटों की अंडर-19 टीम में एंट्री

यूनिक समय, नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट की अगली पीढ़ी में दो चर्चित नामों की एंट्री ने क्रिकेट प्रशंसकों का ध्यान खींचा है। पूर्व भारतीय कप्तान वीरेंद्र सहवाग के बेटे आर्यवीर सहवाग और राहुल द्रविड़ के बेटे अन्वय द्रविड़ को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ होने वाली अंडर-19 वनडे सीरीज के लिए भारतीय टीम में जगह मिली है। दोनों खिलाड़ियों के चयन से क्रिकेट प्रेमियों में उत्सुकता बढ़ गई है।

तीन मैचों की वनडे सीरीज 18, 21 और 23 सितंबर को खेली जाएगी।

टीम की कप्तानी लक्ष्य रायचंदानी को सौंपी गई है, जबकि यशबर्धन चौहान उपकप्तान होंगे। हालांकि, आर्यवीर और अन्वय को 27 सितंबर से शुरू होने वाली चार दिवसीय मुकाबलों की श्रृंखला के लिए टीम में शामिल नहीं किया गया है।

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ वनडे सीरीज में दिखेगा युवा सितारों का दम

अन्वय ने श्रीलंका में जमाया था शानदार अर्धशतक

आर्यवीर ने 297 रन बनाकर मचाई थी धूम

विकेटकीपर-बल्लेबाज अन्वय द्रविड़ इससे पहले श्रीलंका दौरे पर भारतीय अंडर-19 टीम का हिस्सा रह चुके हैं। उन्होंने दूसरे वनडे मुकाबले में 87 रन की प्रभावशाली पारी खेली थी। अब ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ घरेलू श्रृंखला में उनके प्रदर्शन पर सभी की नजरें रहेंगी।

आर्यवीर सहवाग दिल्ली की आयु वर्ग क्रिकेट में लगातार शानदार प्रदर्शन कर रहे हैं। कूच विहार ट्रॉफी में उन्होंने मेघालय के खिलाफ 309 गेंदों पर 297 रन की तूफानी पारी खेली थी। वह केवल तीन रन से तिहरा शतक पूरा करने से चूक गए थे। पूरे टूर्नामेंट में आर्यवीर ने 496 रन बनाए थे। अब ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ उन्हें भारतीय अंडर-19 टीम में अपनी प्रतिभा दिखाने का मौका मिलेगा।

कानपुर में प्रशिक्षण विमान दुर्घटनाग्रस्त, दो पायलटों की मौत

यूनिक समय, कानपुर। कानपुर में गुरुवार को प्रशिक्षण विमान दुर्घटनाग्रस्त होने से पायलट और प्रशिक्षु की मौत हो गई। विमान ने सुबह करीब 11:30 बजे चकेरी स्थित गर्ग एविएशन प्रशिक्षण केंद्र से उड़ान भरी थी। करीब 20 मिनट बाद गंगा बैराज के पास नाथपुरवा गांव में विमान पांच फीट ऊंची दीवार से टकराकर खेत में जा गिरा।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, विमान करीब 200 से 250 फीट की ऊंचाई पर उड़ रहा था। अचानक वह हवा में डगमगाने लगा और कुछ ही क्षणों में नीचे गिर गया। जमीन पर गिरते ही विमान बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया और उसके हिस्से कई मीटर दूर तक बिखर गए। हालांकि, दुर्घटना के बाद विमान में आग नहीं लगी। हादसे की सूचना मिलने पर पुलिस और प्रशासन की टीम मौके पर पहुंची। विमान में फंसे पायलट और पास में घायल अवस्था में पड़े दूसरे

व्यक्ति को अस्पताल पहुंचाया गया, जहां चिकित्सकों ने दोनों को मृत घोषित कर दिया।

मृतकों की पहचान गुजरात निवासी पायलट सचिन भाटिया और कर्नाटक निवासी प्रशिक्षु अभिषेक पुजारी के रूप में हुई है। कानपुर पुलिस आयुक्त रघुबीर लाल के मुताबिक, विमान ने चकेरी से उड़ान भरी और करीब 39 किलोमीटर दूर नाथपुरवा गांव में दुर्घटनाग्रस्त हुआ। सचिन भाटिया के पास करीब तीन हजार घंटे उड़ान का अनुभव था। अधिकारियों ने बताया कि दुर्घटना की जानकारी नागरिक उड्डयन महानिदेशालय को दे दी गई है। हादसे के कारणों का अभी स्पष्ट पता नहीं चल सका है। तकनीकी

उड़ान भरने के बीस मिनट बाद खेत में गिरा विमान

जांच के लिए डीजीसीए और एएआईबी की टीमें पहुंचीं

एक पायलट के पास तीन हजार घंटे उड़ान का अनुभव था

खराबी या मानवीय चूक समेत सभी पहलुओं की जांच की जा रही है। दुर्घटनास्थल से साक्ष्य जुटाए गए हैं। नागरिक उड्डयन महानिदेशालय की तीन सदस्यीय टीम के साथ विमान दुर्घटना जांच ब्यूरो ने भी जांच शुरू कर दी है। राहत की बात रही कि दुर्घटनास्थल से करीब एक किलोमीटर दूर ही रिहायशी क्षेत्र है, जिससे बड़ी जनहानि टल गई।

एक्सप्रेस-वे पर बस को ट्रक ने मारी टक्कर, तीन की मौत

यूनिक समय, सुल्तानपुर। पूर्वांचल एक्सप्रेसवे पर गुरुवार तड़के दर्दनाक सड़क हादसे में बस सवार तीन यात्रियों की मौत हो गई, जबकि 20 लोग घायल हो गए। इनमें पांच की हालत गंभीर बताई जा रही है। हादसा बल्दीराय थाना क्षेत्र में जिला मुख्यालय से करीब 35 किलोमीटर दूर हुआ।

जानकारी के अनुसार, गुड़गांव से गोरखपुर होते हुए बिहार जा रही स्लीपर बस में करीब 80 यात्री सवार थे। इनमें अधिकांश लोग रक्षाबंधन मनाने अपने घर जा रहे थे। सुबह करीब 5:30 बजे चालक ने पेशाब करने के लिए बस को सड़क किनारे रोक दिया और नीचे उतर गया। इसी दौरान पीछे से तेज रफ्तार ट्रक ने बस में जोरदार टक्कर मार दी।

टक्कर इतनी भीषण थी कि बस का पिछला हिस्सा कई फीट तक पिचक गया। हादसे के समय अधिकतर यात्री सो रहे थे। अचानक हुई टक्कर से यात्रियों में चीख-पुकार मच गई। पीछे की सीटों पर बैठे कई यात्री गंभीर रूप

रक्षाबंधन मनाने घर जा रहे थे यात्री

बीस लोग घायल, पांच की हालत बताई जा रही है गंभीर

से घायल हो गए।

सूचना पर पहुंची पुलिस ने बस में फंसे यात्रियों को बाहर निकाला और नजदीकी अस्पताल पहुंचाया। मृतकों की पहचान श्यामलाल मंडल, विनोद मंडल और किरन देवी के रूप में हुई है। तीनों बिहार के रहने वाले थे।

हादसे के बाद ट्रक चालक वाहन लेकर फरार हो गया। पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की मदद से ट्रक की तलाश कर रही है। शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। पुलिस ने क्षतिग्रस्त बस को क्रेन की मदद से हटवाकर यातायात सुचारु कराया।

खाना रोकने पर गार्ड से भिड़ी महिला, वीडियो वायरल

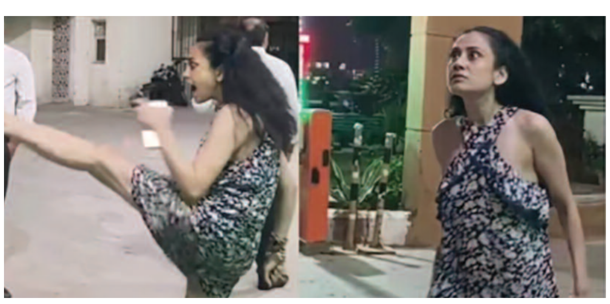

यूनिक समय, ग्रेटर नोएडा। ग्रेटर नोएडा वेस्ट की सेंचुरियन पार्क टेरेस होम सोसायटी में खाना पहुंचाने को लेकर महिला और सुरक्षा गार्ड के बीच विवाद का मामला सामने आया है। घटना का लगभग पांच मिनट का वीडियो सामाजिक माध्यमों पर तेजी से प्रसारित हो रहा है। वीडियो में महिला गार्ड से कथित तौर पर अभद्र भाषा का प्रयोग करते हुए बहस करती दिखाई दे रही है।

मामला 26 अगस्त की रात थाना बिसरख क्षेत्र की सोसायटी का बताया जा रहा है। पुलिस के अनुसार, महिला ने ऑनलाइन खाना मंगाया था। खाना लेकर डिलीवरीकर्मी सोसायटी के प्रवेश द्वार पर पहुंचा, जहां सुरक्षा गार्ड ने उसे अंदर जाने से रोक दिया। इसी बात पर महिला नाराज हो गई और गेट पर विवाद शुरू हो गया। वायरल वीडियो में महिला गार्ड

पुलिस ने वीडियो का संज्ञान लेकर कार्रवाई की बात कही

को धमकाते हुए दिखाई दे रही है। आरोप है कि उसने गार्ड के साथ हाथापाई की और पैर मारने का प्रयास भी किया। महिला ने गार्ड के खिलाफ पुलिस को बुलाने की बात भी कही। वीडियो में उसके द्वारा गार्ड के लिए आपत्तिजनक शब्दों का इस्तेमाल किए जाने का दावा किया जा रहा है।

वीडियो सामने आने के बाद सामाजिक माध्यमों पर लोगों ने पुलिस से कार्रवाई की मांग की। पुलिस ने मामले का संज्ञान लेते हुए स्थानीय स्तर पर जांच कर आवश्यक कार्रवाई का आश्वासन दिया है। पुलिस के अनुसार, घटना के तथ्यों और वीडियो की जांच के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

अमेरिका भेजा जाएगा प्रेमिका की हत्या का आरोपी इंजीनियर

आगरा में छिपा था आरोपी, हैदराबाद पुलिस ने दबोचा

अमेरिका ने भारत से प्रत्यर्पण की मांग की

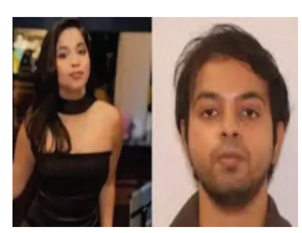

यूनिक समय, आगरा। अमेरिका में पूर्व प्रेमिका निकिथा गोडिशाला की हत्या के आरोपी सॉफ्टवेयर इंजीनियर अर्जुन शर्मा को आगरा के कहरई स्थित शंकर ग्रीन अपार्टमेंट से गिरफ्तार किया गया। 26 वर्षीय अर्जुन पर अमेरिका के मैरीलैंड में निकिथा की हत्या का आरोप है। अमेरिकी पुलिस ने उसके खिलाफ हत्या के आरोपों में गिरफ्तारी वारंट जारी किया था।

हैदराबाद पुलिस को आरोपी के आगरा में छिपे होने की जानकारी मिली थी। इसके बाद स्थानीय पुलिस की मदद से मंगलवार रात करीब साढ़े 12 बजे अपार्टमेंट की 12वीं मंजिल स्थित फ्लैट में दबिश दी गई। अर्जुन वहां अकेला मिला। पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया और फ्लैट की तलाशी भी ली। जांच के अनुसार निकिथा की हत्या 31 दिसंबर 2025 को मैरीलैंड में हुई थी। पुलिस को उसके शरीर पर चाकू के कई घाव मिले थे। आरोप है कि हत्या के बाद अर्जुन अमेरिका छोड़कर भारत भाग आया। अमेरिकी अधिकारियों के मुताबिक उसने तीन जनवरी को अमेरिका छोड़ा था।

भारत आने के बाद उसकी तलाश तमिलनाडु में भी की गई, लेकिन वह करीब 15 दिन पहले आगरा पहुंचकर किराए के फ्लैट में रहने लगा था। एक अलग प्राथमिकी से जुड़े सुराग के आधार पर पुलिस उस तक पहुंची।

अमेरिका ने अर्जुन के प्रत्यर्पण का अनुरोध किया है। अब उसे अमेरिका भेजने की कानूनी प्रक्रिया आगे बढ़ाई जा रही है।

बच्चों की मजबूत नींव ही देश का भविष्य तय करेगी: वायुसेना प्रमुख

यूनिक समय, गोरखपुर। शहर से करीब 30 किलोमीटर दूर माथाबारी गांव स्थित सरस्वती गुरुकुल में गुरुवार को वायुसेना प्रमुख अमरप्रीत सिंह पत्नी सरिता के साथ पहुंचे। गुरुकुल परिवार ने पुष्पवर्षा कर उनका स्वागत किया। विद्यार्थियों ने 'ऑपरेशन सिंदूर' पर आधारित नाट्य प्रस्तुति दी, जिसमें पहलगाम आतंकी हमले और भारतीय सेना की कार्रवाई को दशा या गया।

इस दौरान वायुसेना प्रमुख ने कहा कि यही बच्चे आगे चलकर देश की जिम्मेदारी संभालेंगे। उन्होंने विद्यार्थियों से पढ़ाई के साथ अच्छा इंसान बनने का आह्वान किया। कहा कि जीवन में सफलता से अधिक महत्वपूर्ण अच्छे संस्कार और मजबूत चरित्र हैं।

उन्होंने बच्चों से कहा कि असफलता से डरने के बजाय लगातार प्रयास करते रहना चाहिए।

गोरखपुर में अमरप्रीत सिंह ने विद्यार्थियों को दिया संदेश

गुरुकुल में पत्नी ने पुस्तकालय का किया शुभारंभ

गिरना गलत नहीं है, लेकिन गिरकर दोबारा न उठना गलत है। उन्होंने विद्यार्थियों को देश और समाज के प्रति जिम्मेदारी निभाने की सीख दी।

वायुसेना प्रमुख की पत्नी सरिता ने गुरुकुल में नवनिर्मित पुस्तकालय का शुभारंभ किया। विद्यार्थियों ने भारत माता के जयकारे लगाए। कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग के अध्यक्ष संजय सिंह श्रीनेत ने भी बच्चों को शिक्षा के साथ संस्कारों को महत्व देने की बात कही।

रक्षाबंधन कार्यक्रम में उमड़ी भीड़, महिलाएं-बच्चे बेहोश

यूनिक समय, बरेली। बरेली क्लब में बृहस्पतिवार को महापौर उमेश गौतम और पार्थ गौतम फाउंडेशन की ओर से आयोजित रक्षाबंधन कार्यक्रम में भारी भीड़ के कारण अव्यवस्था फैल गई। साड़ी वितरण की सूचना पर बड़ी संख्या में महिलाएं कार्यक्रम स्थल पर पहुंच गईं। भीड़ और गर्मी के बीच घुटन होने से कई महिलाओं और बच्चों की तबीयत बिगड़ गई। कुछ लोग बेहोश होकर गिर पड़े, जिन्हें उपचार के लिए अस्पताल भेजा गया।

कार्यक्रम के दौरान मंच से लगातार बच्चों के गुम होने की घोषणाएं भी की जाती रहीं। महिलाओं का आरोप था कि उन्हें कार्यक्रम स्थल तक पहुंचाने के लिए बसों की व्यवस्था की गई थी,

लेकिन वापसी के लिए पर्याप्त परिवहन सुविधा नहीं दी गई। इससे लोगों को काफी परेशानी हुई और कार्यक्रम स्थल पर अफरातफरी का माहौल बन गया।

बताया गया कि करीब 40 वर्षीय रेखा भी साड़ी लेने पहुंची थीं। गर्मी और भीड़ के बीच वह बेहोश होकर गिर पड़ीं। उन्हें आपातकालीन वाहन से जिला अस्पताल ले जाया गया। चिकित्सकों के अनुसार उपचार के बाद उनकी स्थिति सामान्य हो गई।

भीड़ बढ़ने से बरेली क्लब की ओर जाने वाली कई सड़कों पर वाहनों की लंबी कतार लग गई।

यातायात व्यवस्था प्रभावित होने की सूचना पर क्षेत्राधिकारी प्रथम पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने लोगों को व्यवस्थित कर स्थिति संभालने का प्रयास किया।

महिलाओं ने आरोप लगाया कि

साड़ी वितरण के दौरान मची अफरा-तफरी सड़कों पर लगा जाम

पुलिस ने मौके पर पहुंचकर भीड़ को नियंत्रित किया

आयोजन में भीड़ प्रबंधन के पर्याप्त इंतजाम नहीं किए गए थे। जिला अस्पताल के चिकित्सक के अनुसार घुटन और धक्का-मुक्की के कारण कुछ महिलाओं को चक्कर और दर्द की शिकायत हुई। प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें अस्पताल से छुट्टी दे दी गई।

नेपाल में बाढ़ से 273 मौतें 1500 लोग अब भी लापता

यूनिक समय, नई दिल्ली। नेपाल–तिब्बत सीमा पर बुधवार सुबह आई अचानक बाढ़ ने भारी तबाही मचा दी। हादसे में मरने वालों की संख्या बढ़कर 273 हो गई है। इनमें नेपाल में 270 और तिब्बत में तीन लोगों की मौत हुई है। करीब 1500 लोग अब भी लापता बताए जा रहे हैं। नेपाल में 900 से अधिक लोगों के लापता होने की जानकारी है, जिनमें 32 देशों के करीब 525 विदेशी पर्यटक भी शामिल हैं। चीन की सरकारी वेबसाइट के अनुसार तिब्बत में 550 से ज्यादा लोगों का अभी पता नहीं चल पाया है।

नेपाल में 288 भारतीयों से संपर्क नहीं हो सका

भूस्खलन से नदी में आया भीषण पानी

भारतीय विदेश मंत्रालय के अनुसार नेपाल में 288 भारतीय नागरिकों से संपर्क नहीं हो पाया है। इनमें 73 लोग त्रिशूली–1 जलविद्युत परियोजना में काम करते हैं। राहत और बचाव अभियान के दौरान अब तक 21 भारतीयों को सुरक्षित निकाला जा चुका है। वहीं तिब्बत में फंसे करीब 200 भारतीयों से संपर्क बना हुआ है। प्रभावित क्षेत्रों में बचाव दल मलबे और तेज बहाव के बीच लोगों की तलाश कर रहे हैं।

बाढ़ की भयावहता के पीछे पहाड़ का बड़ा हिस्सा बर्फ और चट्टानों के साथ ल्हेंदे खोला नदी में गिरना बताया जा रहा है। यह नदी आगे चलकर भोटेकोशी नदी की सहायक नदी बनती है। अचानक भारी मलबा और पानी नीचे आने से नदी का बहाव बेहद तेज हो गया और आसपास के घर, सड़कें तथा अन्य ढांचे इसकी चपेट में आ गए।

बुधवार सुबह करीब 8:37 बजे नेपाल–चीन सीमा के पास तेज झटके भी महसूस किए गए थे। शुरुआती तौर पर इसे भूकंप माना गया, लेकिन बाद में स्पष्ट हुआ कि पहाड़ खिसकने से पैदा हुए कंपन के कारण 5.2 तीव्रता के भूकंप जैसा झटका महसूस हुआ था। राहत कार्य लगातार जारी है और लापता लोगों की तलाश की जा रही है।

विधानसभा के बाहर कांग्रेस विधायकों से पुलिस की झड़प

यूनिक समय, नई दिल्ली। हरियाणा विधानसभा के मानसून सत्र के पहले दिन कांग्रेस विधायकों ने विभिन्न मुद्दों को लेकर सरकार के खिलाफ प्रदर्शन किया। विधानसभा के बाहर पैदल मार्च के दौरान कांग्रेस विधायकों और पुलिस के बीच झड़प हो गई। कांग्रेस ने आरोप लगाया कि पुलिस ने विधायकों को रोकने के लिए कई जगह बैरिकेडिंग की और बल प्रयोग किया।

विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने आरोप लगाया कि पुलिस की कार्रवाई में कई विधायकों को चोटें आई हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस विधायक राम मंदिर चढ़ावे की कथित चोरी, छात्रों पर कार्रवाई और अन्य मुद्दों को लेकर आवाज उठाने के लिए पैदल मार्च कर रहे थे। इसी दौरान पुलिस ने उन्हें आगे बढ़ने से रोक दिया।

हुड्डा ने दावा किया कि उनके साथ भी धक्का–मुक्की की गई। उन्होंने पुलिस कार्रवाई की आलोचना करते हुए कहा कि चुने हुए जनप्रतिनिधियों को अपनी बात रखने का संवैधानिक अधिकार है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार पुलिस बल के जरिए विपक्ष की आवाज दबाने का प्रयास कर रही है।

पुलिस ने बैरिकेडिंग कर विधायकों को आगे बढ़ने रोका

हुड्डा ने बल प्रयोग को लोकतंत्र विरोधी बताया

कांग्रेस नेता ने कहा कि विधानसभा के बाहर हुई कार्रवाई लोकतांत्रिक व्यवस्था के लिए चिंता का विषय है। उन्होंने सरकार से पुलिस के बल प्रयोग पर जवाब मांगा।

वहीं, कांग्रेस विधायकों ने सदन के भीतर भी हंगामा किया और बाहर हुई कथित धक्का–मुक्की का मुद्दा उठाया। विपक्ष के हंगामे के कारण विधानसभा की कार्यवाही दो बार स्थगित करनी पड़ी।

कांग्रेस के आरोपों पर खबर लिखे जाने तक हरियाणा सरकार या भाजपा की ओर से कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई थी। पुलिस की ओर से भी कार्रवाई को लेकर विस्तृत बयान सामने नहीं आया है।

ऑनलाइन प्लेटफॉर्म्स से नहीं मिलेगी पांच किलो से ज्यादा चीनी

यूनिक समय, नई दिल्ली। देश में चीनी की कीमतों में तेजी के बीच खुदरा दुकानों और ऑनलाइन सामान पहुंचाने वाले मंचों ने खरीद की सीमा तय कर दी है। ब्लिंकिट और जेप्टो जैसे मंचों पर ग्राहक अब एक बार में सीमित मात्रा में ही चीनी खरीद सकेंगे। वहीं, डीमार्ट और रिलायंस रिटेल ने भी प्रति ग्राहक दो से तीन किलोग्राम तक खरीद की सीमा लगाई है।

उपभोक्ता मामले विभाग के अनुसार, 26 अगस्त को चीनी की औसत खुदरा कीमत 65.05 रुपये प्रति किलोग्राम पहुंच गई, जबकि 26 जुलाई को यह 48 रुपये थी। इस तरह एक महीने में कीमत करीब 35.5 प्रतिशत बढ़ गई। थोक बाजार में भी चीनी के दाम 45 रुपये से बढ़कर 60.36 रुपये प्रति किलोग्राम हो गए हैं।

चीनी की कीमतों में तेजी के पीछे उत्पादन घटने, घरेलू मांग बढ़ने और भंडार कम होने की आशंका को प्रमुख कारण माना जा रहा है। त्योहारी मौसम में मिठाइयों और अन्य खाद्य पदार्थों की मांग बढ़ने से

ऑनलाइन खरीद पर भी सीमा लागू

एक महीने में चीनी के दाम 35 प्रतिशत बढ़े

सरकार ने जमाखोरी रोकने को कड़े कदम उठाए

कीमतों पर दबाव और बढ़ सकता है। स्थिति नियंत्रित करने के लिए केंद्र सरकार ने 10 लाख टन चीनी के आयात को मंजूरी दी है। इसके अलावा चीनी के आयात को शुल्क मुक्त किया गया है और 30 सितंबर तक निर्यात पर रोक लगाई गई है। सरकार ने व्यापारियों और डीलरों के लिए भंडारण सीमा भी तय की है। कारोबारियों को 15 दिन से अधिक की खपत का भंडार रखने की अनुमति नहीं होगी। राज्यों को बाजार में जांच बढ़ाकर जमाखोरी और सट्टेबाजी रोकने के निर्देश दिए गए हैं।

गिरवी सोना बेचने पर ज्वैलर का अपहरण, पत्नी से लूट

यूनिक समय, नई दिल्ली। महाराष्ट्र के ठाणे जिले के बदलापुर में गिरवी रखे सोने के गहने बेचे जाने से नाराज आरोपियों ने ज्वैलर का अपहरण कर लिया। आरोप है कि हथियार के बल पर ज्वैलर की पत्नी से 79 ग्राम सोने के गहने लूट लिए गए। घटना के बाद आरोपियों ने दोबारा दुकान में तोड़फोड़ कर दहशत फैलाने की कोशिश की।

बदलापुर पश्चिम के वालीवली नाका क्षेत्र में भीम सिंह खरवत की भैरव ज्वैलर्स नाम से दुकान है। पुलिस के अनुसार 15 अगस्त को अक्षय भोपी, युवराज भोपी और उनके साथियों ने दुकान से भीम सिंह का अपहरण किया। उन्हें एरंजद क्षेत्र में ले जाकर धमकाया गया। इसके बाद उन्हें छोड़ने के बदले पत्नी से 79 ग्राम सोने के आभूषण लिए गए।

भीम सिंह घटना की शिकायत पुलिस से करने की तैयारी कर रहे थे। इसकी जानकारी मिलने पर आरोपियों ने 25

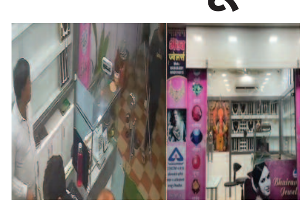

गहने लौटाने के दबाव में आरोपियों ने रची साजिश

पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार कर जांच शुरू की

अगस्त को कुछ लोगों को दुकान पर भेजकर तोड़फोड़ कराई। पूरी घटना दुकान में लगे सीसीटीवी कैमरे में दर्ज हुई। पुलिस ने खंडणी, मारपीट और हथियार संबंधी धाराओं में मामला दर्ज किया है। उल्हासनगर अपराध शाखा ने दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। अन्य आरोपियों की तलाश और घटना की जांच जारी है।

बस ने ऑटो को मारी टक्कर सात लोगों की मौत

यूनिक समय, नई दिल्ली। आंध्र प्रदेश के पलनाडु जिले में गुरुवार को हुए भीषण सड़क हादसे में सात लोगों की मौत हो गई, जबकि दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। दुर्घटना चिलकलूरिपेट के अड्डा रोड के पास हुई, जहां विजयवाड़ा से चेन्नई जा रही निजी बस ने ऑटो रिक्शा को टक्कर मार दी।

जानकारी के अनुसार, ऑटो में सवार यात्री कोंडा मंजुरु से वेल्लोर जा रहे थे। सभी एक समारोह में शामिल होने के लिए निकले थे। इसी दौरान रास्ते में तेज रफ्तार बस की ऑटो से जोरदार भिड़ंत हो गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि ऑटो बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया और उसमें सवार सात लोगों की मौके पर ही मौत हो गई।

हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस और आपातकालीन चिकित्सा दल मौके पर पहुंचा।

बचावकर्मियों ने घायलों को बाहर निकालकर तत्काल अस्पताल पहुंचाया, जहां दोनों का गंभीर हालत में उपचार चल रहा है। पुलिस ने मृतकों की पहचान और हादसे के कारणों की जांच शुरू कर दी है।

समारोह में जा रहे यात्रियों पर टूटा हादसे का कहर

दो गंभीर घायलों का अस्पताल में इलाज जारी

परिवहन मंत्री ने हादसे पर जताया गहरा दुख

आंध्र प्रदेश के परिवहन मंत्री मंडीपल्ली रामप्रसाद रेड्डी ने हादसे पर शोक जताते हुए मृतकों के परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त की। उन्होंने अधिकारियों को घायलों को बेहतर चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने और दुर्घटनास्थल पर यातायात व्यवस्था सामान्य करने के निर्देश दिए।

मंत्री ने लोगों से सड़क सुरक्षा नियमों का पालन करने और सावधानीपूर्वक वाहन चलाने की अपील की। पुलिस हादसे की परिस्थितियों और बस चालक की भूमिका की जांच कर रही है।

बच्चों के लिए फेसबुक– इंस्टाग्राम उपयोग पर लगेगी सीमा

यूनिक समय, नई दिल्ली। फेसबुक और इंस्टाग्राम का इस्तेमाल करने वाले किशोरों के लिए मेटा बड़ा बदलाव करने की तैयारी में है। प्रस्तावित व्यवस्था के तहत 18 वर्ष से कम उम्र के उपयोगकर्ताओं के लिए इन सामाजिक मंचों के इस्तेमाल की समय सीमा तय की जा सकती है। दिन में करीब दो घंटे तक उपयोग की अनुमति और रात के समय इन मंचों को पूरी तरह बंद रखने की व्यवस्था पर विचार किया जा रहा है।

यह कदम बच्चों पर सामाजिक माध्यमों के बढ़ते प्रभाव और उनकी सुरक्षा से जुड़े मामलों के बीच सामने आया है। कैलिफोर्निया में मेटा के खिलाफ चल रहे कई मुकदमों में कंपनी पर बच्चों को सामाजिक मंचों की ओर आकर्षित करने और उनके लिए पर्याप्त

सुरक्षा उपाय नहीं करने जैसे आरोप लगाए गए थे।

मामले से जुड़े समझौते के तहत मेटा पर भारी जुर्माना और अतिरिक्त सुरक्षा नियमों को स्वीकार करने की बात सामने आई है। हालांकि, प्रस्तावित समय सीमा कब से लागू होगी, इसकी अभी स्पष्ट जानकारी नहीं है।

मेटा के सामने बच्चों की सुरक्षा से जुड़े मामलों में दबाव बढ़ रहा है। कंपनी से किशोरों के लिए सुरक्षित डिजिटल वातावरण तैयार करने और आपत्तिजनक सामग्री पर प्रभावी नियंत्रण की मांग की जा रही है।

भारत में भी बच्चों की सुरक्षा को लेकर सरकार ने मेटा को सख्त संदेश

रात में सामाजिक मंचों के उपयोग पर लग सकता है प्रतिबंध

मेटा ने दिन में करीब दो घंटे तक उपयोग की दी अनुमति

कैलिफोर्निया मामले के बाद कंपनी ने उठाया कदम

दिया है। फेसबुक और इंस्टाग्राम पर बाल शोषण से संबंधित सामग्री रोकने को लेकर कंपनी से आवश्यक कदम उठाने को कहा गया है।

दिल्ली एनसीआर में झमाझम बारिश से बदली मौसम की तस्वीर

यूनिक समय, नई दिल्ली। दिल्ली–एनसीआर में गुरुवार दोपहर अचानक मौसम का मिजाज बदल गया। सुबह तेज धूप और उमस से लोग परेशान रहे, लेकिन दोपहर बाद आसमान में घने बादल छा गए। नोएडा के कई इलाकों में तेज बारिश हुई, जिससे तापमान में गिरावट आई और लोगों को गर्मी से राहत मिली।

फरह में जल निकासी का अजब खेल

गुरुवार को सर्विस मार्ग पर गंदा पानी डालता नगर पंचायत का ट्रैक्टर। सड़क पर जमा पानी को निकालने आया हाइवे प्राधिकरण का वाहन।

नगर पंचायत पानी सड़क पर डाल रही, प्राधिकरण टैंकर से हटाने में जुटा

जलभराव से राहगीर परेशान, स्थायी नाले की मांग फिर उठी

यूनिक समय, फरह। बारिश के बाद कस्बा में जलनिकासी व्यवस्था की बदहाली और विभागों के बीच तालमेल की कमी का मामला सामने आया है। नगर पंचायत द्वारा ट्रैक्टर-ट्रॉली से गलियों में भरे पानी को खींचकर राजमार्ग के सर्विस मार्ग पर डाला जा रहा है। वहीं, सड़क पर जमा इसी पानी को हटाने के लिए भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण की ओर से टैंकर लगाए जा रहे हैं। विभागों की इस व्यवस्था से लोगों में नाराजगी है।

स्थानीय लोगों का कहना है कि पानी को किसी स्थायी नाले या सुरक्षित स्थान पर पहुंचाने के बजाय सड़क पर डालने से समस्या और बढ़ रही है। राजमार्ग पर पानी फैलने से वाहनों की रफ्तार प्रभावित हो रही है। दोपहिया वाहन चालकों और पैदल राहगीरों को भी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। जलभराव के कारण दुर्घटना का खतरा बना हुआ है।

नगर पंचायत की ओर से जलनिकासी के लिए लगातार ट्रैक्टर का इस्तेमाल किया जा रहा है। वहीं, सड़क पर जमा पानी हटाने के लिए राजमार्ग प्राधिकरण के टैंकर लगाए जा रहे हैं। इससे सरकारी मशीनरी और ईंधन पर अतिरिक्त खर्च होने के साथ समस्या का स्थायी समाधान नहीं हो पा रहा है।

अधिशासी अधिकारी का अतिरिक्त प्रभार संभाल रहे डिप्टी कलेक्टर राघवेंद्र शर्मा का कहना है कि जलभराव की मुख्य वजह राजमार्ग की ओर जलनिकासी की समुचित व्यवस्था नहीं होना है। उनका कहना है कि निकासी का रास्ता नहीं मिलने के कारण नगर पंचायत को पानी निकालने के लिए वैकल्पिक व्यवस्था करनी पड़ रही है। वहीं, मामले में राजमार्ग प्राधिकरण के रखरखाव प्रबंधक संस्कार शर्मा का पक्ष जानने के लिए संपर्क किया गया, लेकिन फोन नहीं उठ सका।

स्थानीय लोगों का कहना है कि हर वर्ष बरसात में यही समस्या सामने आती है। लोगों ने दोनों विभागों से समन्वय कर स्थायी नाले का निर्माण करने की मांग की है, ताकि बारिश के दौरान जलभराव और सरकारी संसाधनों की बर्बादी दोनों पर रोक लग सके।

पुलिया का मिट गया अस्तित्व

हाइवे चौड़ीकरण से पहले फरह के मुख्य चौराहे के पास पुलिया थी, जिससे कस्बा का गंदा पानी सड़क के नीचे से निकलने वाली पुलिया से होकर पोखर में जाता था, जिसे सरकारी जमीन कब्जाने वालों ने हाइवे चौड़ीकरण के दौरान समाप्त करा दिया।

अवैध मिट्टी खनन को लेकर दो लोगों के खिलाफ मुकदमा

यूनिक समय, फरह। थाना फरह क्षेत्र के ग्राम सलेमपुर में अवैध मिट्टी खनन को लेकर पुलिस ने मामला दर्ज किया है। पीपी बिल्डकॉन प्राइवेट लिमिटेड के प्रतिनिधि जयदीप तिवारी की शिकायत पर यह कार्रवाई की गई।

शिकायत में जयदीप तिवारी ने बताया कि ग्राम सलेमपुर स्थित गाटा संख्या 397, रकबा 2.428 हेक्टेयर भूमि के संबंध में कंपनी के दस्तावेज दर्ज हैं। शिकायत के मुताबिक, भूमि से मिट्टी काटे जाने के बाद खाली हुई जगह पर कथित रूप से अवैध खनन किया जा रहा था। शिकायतकर्ता का आरोप है कि गांव के रहने वाले वीर सिंह पुत्र कैलाशी और जितन पुत्र बीरी सिंह द्वारा उक्त भूमि से मिट्टी का खनन किया जा रहा है। शिकायत में यह भी कहा गया है कि संबंधित लोगों को खनन से मना करने के बावजूद कथित रूप से खनन जारी रखा गया। इस संबंध में थाना प्रभारी फरह, कस्बा फरह चौकी प्रभारी तथा क्षेत्राधिकारी रिफाइनरी, मथुरा से शिकायत की गई थी। इसके बाद पुलिस से आरोपितों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर कार्रवाई की मांग की गई।

कान्हा माखन स्कूल की छात्राओं ने एसएसपी को बांधी राखियां

एसएसपी श्लोक कुमार के साथ कान्हा माखन स्कूल की छात्राएं।

यूनिक समय, मथुरा। रक्षाबंधन पर कान्हा माखन ग्रुप ऑफ स्कूल्स की छात्राओं ने अनूठी पहल करते हुए शहर की प्रमुख हस्तियों को राखी बांधी। छात्राओं ने जनप्रतिनिधियों, प्रशासनिक अधिकारियों, पुलिस अधिकारियों और सामाजिक क्षेत्र से जुड़े गणमान्य लोगों की कलाई पर राखी बांधकर भाई-बहन के प्रेम के साथ सम्मान, सुरक्षा और सामाजिक सद्भाव का संदेश दिया। छात्राओं ने कर्नल कुलभूषण कक्कड़, कैबिनेट मंत्री लक्ष्मी नारायण चौधरी, विधायक श्रीकांत शर्मा, एसएसपी श्लोक कुमार, कमांडेंट होमगार्ड शैलेन्द्र कुमार, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के विभाग प्रचारक पारस पार्थ, विधायक राजेश चौधरी, पूरन प्रकाश, मेघश्याम सिंह, गोविंद नगर थाना पुलिस, अनुराग कृष्ण शास्त्री और वृंदावन स्थित सुदामा कुटीर के सुचित्रा दास के राखी बांधी। छात्राओं ने अपने हाथों से तैयार की गई राखियां गणमान्य व्यक्तियों को बांधी और उनके सुख, समृद्धि, उत्तम स्वास्थ्य, मंगलमय जीवन की कामना की। इस दौरान गणमान्य व्यक्तियों ने भी छात्राओं को स्नेह और आशीर्वाद देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। विद्यालय परिवार ने बताया कि कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को शिक्षा के साथ भारतीय संस्कृति, परंपराओं और संस्कारों से जोड़ना है।

घेर में नींव खोदने को लेकर विवाद चार लोगों पर मुकदमा

यूनिक समय , मथुरा। थाना बलदेव क्षेत्र के ग्राम छौली में घेर के अंदर नींव खोदने को लेकर विवाद का मामला सामने आया है। मामले में गांव निवासी सरोज देवी की तहरीर पर पुलिस ने चार लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

घटना 12 जुलाई की शाम करीब तीन बजे की है। सरोज देवी ने पुलिस को बताया कि वह अपने घेर के अंदर नींव खोद रही थीं।

इसी दौरान उनके पड़ोसी ओमप्रकाश पुत्र गोवर्धन वहां आए और गाली-गलौज करते हुए नींव खोदने से मना करने लगे। आरोप है कि मना करने के बावजूद विवाद बढ़ने पर उनके घेर में आकर मारपीट की गई, जिसके बाद उन्होंने नींव खोदने का काम रोक दिया। अगले दिन 13 जुलाई को जब सरोज देवी का छोटा भाई उसी स्थान पर नींव खोद रहा था, तभी ओमप्रकाश की पत्नी सुशीला देवी, उनके बेटे ललित की पत्नी मधु और सूरजभान की पत्नी सर्वेश वहां पहुंचीं। आरोप है कि सुशीला देवी ने ईंट का रोड़ा हाथ में लेकर धमकी दी और नींव खोदने से रोक दिया। इसके बाद तीनों महिलाओं पर दीवार गिराने और बॉउंड्री को दो स्थानों से क्षतिग्रस्त करने का भी आरोप लगाया गया है।

कोटवन क्षेत्र में कंपनी के बाहर से बाइक चोरी

यूनिक समय, कोसीकलां। कोटवन औद्योगिक क्षेत्र में चोरों के हौसले बुलंद हैं। भवानी ओवरसीज कंपनी के बाहर पार्किंग में खड़ी एक बाइक को अज्ञात चोर चुरा ले गए। पूरी घटना कंपनी के बाहर लगे सीसीकैमरे में कैद हो गई है। पीड़ित बृजवासी निवासी पैगांव ने थाने में अज्ञात चोरों के खिलाफ प्रार्थना पत्र देकर बताया कि वह कोटवन औद्योगिक क्षेत्र स्थित भवानी ओवरसीज कंपनी में काम करता है। उसने अपनी बाइक कंपनी के बाहर पार्किंग में खड़ी की थी। छुट्टी होने के बाद जब वह बाहर आया तो बाइक गायब थी। काफी तलाश करने के बाद भी बाइक का पता नहीं चला। इसके बाद जब कंपनी के पास लगे सीसी कैमरों की फुटेज खंगाली गई तो उसमें एक युवक बाइक चोरी करते हुए दिखाई दिया। पुलिस ने प्रार्थना पत्र के आधार पर जांच शुरू कर दी है।

ब्लेकमेलिंग से परेशान छात्रा को आत्महत्या करने से बचाया

समाज सेवियों ने सांत्वना देकर जीता भरोसा

एसएसपी को दी पीड़िता ने शिकायत

यूनिक समय,मथुरा। एक छात्रा ने परेशाना होकर आत्महत्या जैसा आत्मघाती कदम उठाया ,लेकिन समाजसेवियों ने उसे न केवल बचाया, बल्कि उसे हिम्मत देकर एसएसपी के पास शिकायत करने के लिए ले गए।

डैंपियर नगर में आत्महत्या के इरादे से आई एक युवती की हालत देख समाज सेवी ममता गौतम और प्रदीप बनर्जी ने उसके पास पहुंचकर उसे सांत्वना दी और उसे आत्महत्या करने जैसे उठाए जाने वाले कदम को न उठाने के लिए राजी किया। छात्रा से दोनों ने जब आत्महत्या किए जाने का कारण पूछा तो दोनों उसकी बात सुनकर दंग रह गए। उसने बताया कि संदीप उपाध्याय पुरोहित का काम करता है। वह उसे जरूरी काम के बहाने रुकमणी बिहार स्थित फ्लेट पर ले गया। वहां उसने नशीला पेय पदार्थ पिलाकर उसके साथ दुराचार किया, वीडियो बना लिया। वीडियो को वायरल करने की धमकी देकर पैसे भी वसूले गए। उसके वाट्सएप और ई मेल एकाउंट को हैक कर उसकी निजी जानकारी भी हासिल कर ली। संदीप उपाध्याय और उसके परिवार की ओर से लगातार मिल रही धमकियों के चलते वह परेशान होकर आत्महत्या कर ने को मजबूर हो गई। ममता गौतम और प्रदीप बनर्जी पीड़िता को लेकर एसएसपी कार्यालय पहुंचे। एसएसपी को पीड़िता ने पूरी बात बताते हुए अभियुक्तों के खिलाफ कार्रवाई करने की मांग की है। बताया गया कि इस मामले में जांच के आदेश भी दिए गए हैं।

सफेद घटा के साथ राजाधिराज में घटाओं का विश्राम

सफेद घटा में विराजमान राजाधिराज।

यूनिक समय, मथुरा। सावन माह में राजाधिराज रोजाना अलग-अलग हिंडोला और घटाओं में विराजमान होकर भक्तों को दर्शन दे रहे हैं। मंदिर प्रांगण जयकारों की गूंज से भक्तिमय में हो जाता है। मंदिर ठाकुर द्वारकाधीश के मीडिया प्रभारी राकेश तिवारी ने बताया कि मंदिर के सभी कार्यक्रमों का निर्धारण मंदिर के गोस्वामी वागीश कुमार द्वारा किया जाता है। उसी परंपरा के तहत आज ठाकुर राजाधिराज सफेद घटा में विराजमान हुए, पूरा मंदिर प्रांगण को सफेद कपड़े और अनेकों प्रकार की लाइट, फूलों से सजाया गया। शुक्रवार सांय 5:10 से 5:40 बजे तक राजाधिराज लाल मखमल हिंडोले में विराजमान होकर अपने भक्तों को दर्शन देंगे।

चीनी मिल धरने को मिला पूर्व सैनिक संघर्ष समिति आगरा का समर्थन

सुंदरकांड, हनुमान चालीसा पाठ और आरती-भजनों से गूंजा धरना स्थल

यूनिक समय, छाता। बंद पड़ी चीनी मिल को दोबारा शुरू कराने की मांग को लेकर भूतपूर्व सैनिकों और किसानों का धरना जारी है। धरने को पूर्व सैनिक संघर्ष समिति आगरा ने भी समर्थन दिया। समिति की टीम लीडर अचल सिंह के नेतृत्व में पूर्व सैनिकों का दल धरना स्थल पर पहुंचा और आंदोलन को समर्थन देने की घोषणा की।

छाता में चीनी मिल को शुरू कराने की मांग को लेकर धरना देते पूर्व सैनिक और ग्रामीण।

धरना स्थल पर पूर्व सैनिकों और क्षेत्रीय किसानों ने एकजुट होकर चीनी मिल को दोबारा शुरू कराने की मांग को लेकर आवाज बुलंद की।

इस दौरान धरना स्थल पर भक्तिमय माहौल रहा। भूतपूर्व सैनिकों और क्षेत्रीय लोगों ने सामूहिक रूप से सुंदरकांड और हनुमान चालीसा का पाठ किया। इसके बाद आरती और भजनों का आयोजन हुआ। सभी ने चीनी मिल के शीघ्र संचालन की कामना करते हुए ईश्वर से आशीर्वाद लिया। धरने को संबोधित करते हुए पूर्व सैनिक संघर्ष समिति के प्रतिनिधियों और किसान नेताओं ने कहा कि क्षेत्र के विकास और किसानों की आर्थिक स्थिति को मजबूत करने के लिए चीनी मिल का दोबारा संचालन बेहद जरूरी है। उन्होंने कहा कि मिल शुरू होने से किसानों के साथ-साथ क्षेत्र के लोगों को भी रोजगार और आर्थिक गतिविधियों का लाभ मिलेगा। धरना स्थल पर गूंजते भजनों के बीच लोगों का एक ही संकल्प रहा कि छाता चीनी मिल दोबारा शुरू होनी चाहिए। इस मौके पर आसपास के गांवों से बड़ी संख्या में किसान, पूर्व सैनिक और स्थानीय नागरिक मौजूद रहे। शासन और प्रशासन से बंद पड़ी चीनी मिल को जल्द से जल्द चालू कराने की मांग की।

वृंदावन में किराए के फ्लैट से लाखों का सामान गायब

यूनिक समय,मथुरा। वृंदावन में किराए के फ्लैट में चोरी का मामला सामने आया है। पीड़ित हनी गोस्वामी ने थाना में शिकायत दर्ज कराते हुए बताया कि 28 जुलाई की रात करीब 11:30 बजे जब वह अपने फ्लैट पर पहुंचीं तो दरवाजा खोलते ही कमरे का सामान अस्त-व्यस्त मिला। जांच करने पर कमरे की खिड़की का लॉक टूटा हुआ मिला और कई कीमती सामान गायब थे। चोरी की घटना चैतन्य विहार फेज-2, सेक्टर-4, राधा पुराग सदन, पंचकुला रोड स्थित किराए के आवास में हुई। पीड़ित के अनुसार, चोर खिड़की का लॉक तोड़कर कमरे में दाखिल हुए और वहां रखा सामान चोरी कर ले गए।